RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 173
दि. 22.10.2025,
बुधवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

देहरादून के गुनियाल गांव में सैन्यधाम के लोकार्पण के लिए देहरादून आ सकते हैं प्रधानमंत्री मोदी, सीएम धामी ने मांगा समय

(जीएनएस)।

देहरादून। राजधानी दून के गुनियाल गांव में सैन्यधाम का निर्माण किया गया है। सैन्यधाम निर्माण का काम करीब पूरा हो चुका है। इसमें 1,734 बलिदानियों के आंगन की मिट्टी और प्रदेश की 28 पवित्र नदियों का जल अमर जवान ज्योति के मुख्य स्तंभ में प्रतिस्थापित किया गया है। न्यधाम के लोकार्पण के लिए पीएम मोदी के आने की संभावना है।

राज्य स्थापना दिवस नौ नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सैन्यधाम के लोकार्पण के लिए देहरादून आ सकते हैं। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश

जोशी के मुताबिक मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पीएम से इसके लिए समय मांगा है।

देहरादून के गुनियाल गांव में सैन्यधाम का निर्माण किया गया है। इसमें 1,734 बलिदानियों के आंगन की मिट्टी और प्रदेश की 28 पवित्र नदियों का जल अमर जवान ज्योति के मुख्य स्तंभ में प्रतिस्थापित किया गया है। सैन्यधाम में कई सैन्य उपकरण भी रखे गए हैं। सैनिक कल्याण मंत्री के मुताबिक सैन्यधाम निर्माण का काम करीब पूरा हो चुका है।

इसका निर्माण बलिदानियों के प्रति सम्मान, सेना के शौर्य, पराक्रम व गौरवशाली इतिहास को संजोकर रखने के उद्देश्य से किया गया है। इसके लोकार्पण में पीएम के शामिल होने को लेकर विभाग की बैठक ली गई है। मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने भी सैन्यधाम का निरीक्षण किया। सैनिक कल्याण मंत्री ने कहा कि आज वह भी सैन्यधाम का निरीक्षण कर कार्यों का जायजा लेंगे।

पीएम मोदी ने जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री को दी बधाई, रणनीतिक साझेदारी पर कही ये बात

(जीएनएस)।

नई दिल्ली। जापान की संसद ने मंगलवार को अति-रूढ़िवादी साने ताकाइची को देश की पहली महिला प्रधानमंत्री चुना। 64 वर्षीय ताकाइची ने लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) की ओर से चुनाव जीतते हुए संसद के निचले सदन में 237 वोट हासिल किए, जबकि उनके प्रतिद्वंदी योशिहिको नोडा

को 149 वोट मिले। इस मौके पर पीएम नरेंद्र मोदी ने उन्हें बधाई देते हुए भारत-जापान रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की बात कही।

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साने ताकाइची को प्रधानमंत्री बनने पर बधाई दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि जापान की प्रधानमंत्री बनने पर आपको हार्दिक बधाई। भारत-जापान के विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए आपके साथ मिलकर काम करने को उत्सुक हूं। हमारे मजबूत रिश्ते इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए बेहद अहम हैं।

यूएई के राष्ट्रपति ने ताकाइची को दिया संदेश

जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं साने ताकाइची को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायेद अल नहयान ने भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि वे जापान के साथ संबंधों को और मजबूत करने के लिए उत्सुक हैं।

क्या कहा ताकाइची ने?

प्रधानमंत्री बनने के बाद अपने पहले भाषण में ताकाइची ने कहा कि हम सिर्फ तभी जापान को फिर से खड़ा कर सकते हैं जब सभी पीढ़ियां मिलकर काम करें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मैं खुद 'वर्क-लाइफ बैलेंस' का ख्याल नहीं रखूंगी। मैं सिर्फ काम, काम और काम करूंगी। उन्होंने सभी से मेहनत करने की अपील करते हुए कहा कि यह समय देश को दोबारा खड़ा करने का है।

संक्षिप्त समाचार

उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन से मुलाकात की

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने मंत्रालय के वरिष्ठ

अधिकारियों के साथ आज संसद भवन में उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन से मुलाकात की। बैठक के दौरान, उपराष्ट्रपति को वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की प्रमुख पहलों और गतिविधियों से अवगत कराया गया। चर्चा में विनिर्माण और विदेशी व्यापार की वर्तमान स्थिति के साथ-साथ व्यावसायिक संचालन को आसान बनाने, भारत की विनिर्माण क्षमताओं को मजबूत करने और देश को वैश्विक निर्यात केंद्र के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से विभिन्न सरकारी पहलों पर भी चर्चा हुई।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने महामहिम श्री रोड्रिगो पाज परेरा को बोलीविया का राष्ट्रपति चुने जाने पर शुभकामनाएं दीं

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने महामहिम श्री रोड्रिगो पाज परेरा को बोलीविया का राष्ट्रपति चुने जाने पर आज हार्दिक शुभकामनाएं दीं हैं।

श्री मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहाः

"श्री रोड्रिगो पाज परेरा, बोलीविया के राष्ट्रपति चुने जाने पर आपको हार्दिक बधाई। भारत और बोलीविया के बीच घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंध लंबे समय से हमारे आपसी रूप से लाभकारी सहयोग का आधार रहे हैं। मैं आने वाले वर्षों में साझा प्रगति और समृद्धि के लिए हमारी साझेदारी को और प्रगाढ़ करने की आशा करता हूँ।

सीएम योगी का अखिलेश पर तंजः 'गद्दी विरासत में मिल सकती है, बुद्धि नहीं; उन्हें श्रीराम, देवी-देवताओं से नफरत'

गोरखपुर (जीएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमारे देश में अंग्रेजी शासन से मोर्चा लेने की चर्चा तो होती है लेकिन राजनीतिक इस्लाम की चर्चा नहीं होती। राजनीतिक इस्लाम ने हमारी आस्था पर कुठाराघात किया। हमारे पूर्वजों ने बिट्रिश और फ्रांस के उपनिवेश के खिलाफ ही लड़ाई नहीं लड़ी, राजनीतिक इस्लाम को लेकर भी मोर्चा लिया था।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या के दीपोत्सव को लेकर दिए गए बयान पर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव पर एक बार फिर शाब्दिक प्रहार किया है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि दीपावली पर दीये जलाने के विरुद्ध बयान देकर अखिलेश यादव ने यह सिद्ध कर दिया है कि उन्हें अयोध्या में प्रभु श्रीराम के मंदिर, देवी देवताओं, सनातन धर्मऔर दीपावली जैसे इसके पर्व-त्योहारों से भी नफरत है। उनका बयान प्रजापति समाज (कुम्हारों) का अपमान करने वाला है। उन्होंने अखिलेश पर यह भी तंज कसा कि गद्दी तो विरासत में मिल सकती है, बुद्धि नहीं। बिना विवेक वाले लोग ही दीपावली का विरोध करते हैं।

सीएम योगी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष पर

गोरखपुर विभाग द्वारा आयोजित विचार-परिवार कुटुंब स्नेह मिलन एवं ह्यदीपोत्सव से राष्ट्रोत्सवह्व कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में हुए कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने अयोध्या में 500 वर्षों की प्रतीक्षा के बाद अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर बने मंदिर के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि संघ की सौ वर्ष की यात्रा के कालखंड में असंभव को भी संभव होते देखा गया है। राम मंदिर को लेकर सपा, कांग्रेस और इंडी गठबंधन के लोग प्रश्न करते थे संघ के स्वयंसेवक दृढ़ संकल्प से कहते थे कि मंदिर जरूर बनेगा। संघ ने बंदिशें झेलीं, स्वयंसेवकों ने लाठी गोली खाई। परिणाम भव्य श्रीराम मंदिर के रूप में सबके सामने है।

विज्ञापन

मुख्यमंत्री ने कहा कि जो अयोध्या साढ़े आठ वर्ष पूर्व वीरान थी, अब वहां का भव्य दीपोत्सव नई पहचान बन गया है। इस बार 26 लाख 17 हजार दीये जलाने का नया विश्व रिकॉर्ड बना है। उन्होंने कहा कि सपा को दीया जलाने पर भी परेशानी है। सपा प्रमुख कहते हैं कि दीया जलाने की आवश्यकता क्या है, मोमबत्ती जला लेते। उनका यह बयान तिलहन की पैदावार कर दीयों को तेल देने वाले अन्नदाता किसानों और मिट्टी के दीये बनाने वाले कुम्हारों का अपमान है। 2017 के पूर्व मिट्टी को लेकर कुम्हारों की पीड़ा को अगर समझा होता तो बबुआ (सपा प्रमुख अखिलेश यादव) बचकाना बयान

एनडीए की अगर फिर सरकार बनी तो 5 सालों में 1 करोड़ युवाओं को नौकरी, नीतीश कुमार ने किया बड़ा वादा

बिहार विधानसभा चुनावों के नजदीक आते ही, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक महत्वपूर्ण चुनाव-पूर्व घोषणा की है। उन्होंने वादा किया है कि अगर उनकी सरकार फिर से चुनी जाती है, तो अगले पाँच वर्षों में राज्य के युवाओं को एक करोड़ नौकरियाँ प्रदान की जाएँगी। मंगलवार को एक बड़ी जनसभा को संबोधित करते हुए, कुमार ने अपनी सरकार के रोजगार रिकॉर्ड और दो दशक के कार्यकाल में राज्य की प्रगति पर प्रकाश डाला।

नीतीश कुमार ने जोरदार तालियों के बीच कहा, "कुल 50 लाख युवाओं को पहले ही सरकारी नौकरियाँ दी जा चुकी हैं, और अब हमने तय किया है कि अगले पाँच वर्षों में एक करोड़ और लोगों को रोजगार मिलेगा।" उन्होंने अपने शासनकाल की तुलना राज्य के अतीत से की, जिसे उन्होंने अपनी सरकार के सत्ता में आने से पहले "अंधेरे दिन" कहा, जहाँ कानून-व्यवस्था और बुनियादी ढाँचा बेहद खराब था।

बिहार विधानसभा चुनाव 6 और 11 नवंबर, 2025 को दो चरणों में होंगे, जबकि मतों की गिनती 14 नवंबर को होनी है। इन चुनावों में

बेरोजगारी, बुनियादी ढाँचा और सुशासन प्रमुख मुद्दे बनकर उभरे हैं। ऐसे में, यह अभियान नीतीश कुमार के विकास रिकॉर्ड और उनके नए रोजगार वादे के इर्द-गिर्द घूमने की उम्मीद है।

2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन और महागठबंधन के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा। NDA में भारतीय जनता पार्टी (BJP), जनता दल (यूनाइटेड), लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) और राष्ट्रीय लोक मोर्चा शामिल हैं।

दूसरी ओर, महागठबंधन का नेतृत्व राष्ट्रीय जनता दल (RJD) कर रहा है, जिसमें कांग्रेस, दीपांकर भट्टाचार्य के नेतृत्व वाली भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) (CPI-ML), CPI, CPI (मार्क्सवादी) और मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी (श्क्ढ) शामिल हैं।

इस चुनाव में राजनीतिक रणनीतिकार से नेता बने प्रशांत किशोर की जन सुराज ने भी एक नया आयाम जोड़ा है। उन्होंने सभी 243 विधानसभा क्षेत्रों में उम्मीदवार उतारने की घोषणा की है, जो कई सीटों पर त्रिकोणीय मुकाबले का संकेत देता है।

उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने पुलिस स्मृति दिवस पर पुलिस कर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की

उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर पुलिस कर्मियों के साहस और बलिदान को श्रद्धांजलि अर्पित की है।

उपराष्ट्रपति ने अपने संदेश में कहा कि पुलिस स्मृति दिवस हमारे पुलिस कर्मियों के अनुकरणीय साहस और सर्वोच्च बलिदान का सम्मान करने का एक अवसर है। उन्होंने कहा कि देश की रक्षा और जनता की सुरक्षा एवं कल्याण सुनिश्चित करने की उनकी अटूट प्रतिबद्धता सभी नागरिकों के लिए अत्यंत सम्मान की बात है।

केंद्रीय मंत्री श्री जयंत चौधरी के नेतृत्व में ज्ञान विनिमय मिशन का फिलीपींस दौरा

केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा शिक्षा राज्य मंत्री श्री जयंत चौधरी 20-22 अक्टूबर, 2025 तक फिलीपींस में एक उच्च स्तरीय ज्ञान आदान-प्रदान मिशन का नेतृत्व कर रहे हैं। यह कार्यक्रम विश्व बैंक के सहयोग से आयोजित किया गया है।

भारतीय प्रतिनिधिमंडल में कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी तथा उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान और तेलंगाना राज्यों के प्रतिनिधि शामिल हैं।

इस दौरान प्रवासी श्रमिक विभाग (डीएमडब्ल्यू), तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास प्राधिकरण (टीईएसडीए), फिलीपीन सांख्यिकी प्राधिकरण (पीएसए) और प्रवासी

श्रमिक कल्याण प्रशासन (ओडब्ल्यूडब्ल्यूए) जैसे फिलीपींस के प्रमुख संस्थानों के साथ कई बैठकें होंगी।

इस यात्रा का उद्देश्य ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देना तथा कौशल विकास, श्रम गतिशीलता और डेटा-संचालित नीति ढांचे से संबंधित क्षेत्रों में सर्वोत्तम नियमों को साझा करना है।

यह मिशन मानव पूंजी विकास पर सहयोग करने, पारस्परिक शिक्षा को बढ़ावा देने तथा कौशल एवं उद्यमिता के माध्यम से न्यायसंगत और सतत विकास के लिए ग्लोबल साउथ की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

स्वच्छता ही सेवा (एसएचएस) अभियान 2025

(जीएनएस)।

शहरी क्षेत्रों के लिए आवास और शहरी कार्य मंत्रालय और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए जल शक्ति मंत्रालय के पेयजल और स्वच्छता विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित स्वच्छता ही सेवा (एसएचएस) अभियान 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक गांधी जयंती पर समाप्त हुआ। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने 17 सितंबर 2025 को स्वच्छता शपथ के साथ इस अभियान की शुरूआत की। इससे कार्यालयों और समुदायों में स्वच्छता के प्रति प्रतिबद्धता की पुष्टि हुई।

इस वर्ष के अभियान का मुख्य उद्देश्य स्वच्छता लक्ष्य इकाइयों को आदर्श स्वच्छ क्षेत्रों में बदलना और अधिक लोगों की आवाजाही वाले सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता बनाए रखना था। निरोधक स्वास्थ्य सेवा को बढ़ावा देने के लिए सफाई मित्रों के लिए स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए। व्यक्तिगत स्वच्छता और सतत स्वच्छता प्रथाओं को रेखांकित करने के लिए सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय और उसके कार्यालयों में जागरूकता गतिविधियाँ भी आयोजित की गईं।

अभियान के दौरान 52 स्वच्छता लक्ष्य इकाइयों का कायाकल्प किया गया और 104 सार्वजनिक स्थलों की सफाई की गई। इससे स्वच्छता मानकों में सुधार देखा गया। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय में सफाई मित्रों के लिए व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा पर एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

इसका एक प्रमुख आकर्षण 25 सितंबर 2025 को आयोजित राष्ट्रव्यापी श्रमदान था। इसमें 2,500 से अधिक अधिकारियों और स्वयंसेवकों ने सफाई अभियान, वृक्षारोपण और जागरूकता गतिविधियों में भाग लिया। उनकी सक्रिय भागीदारी ने पर्यावरणीय स्थिरता और स्वच्छ भारत के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी के प्रति सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया।

इन प्रयासों के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवा 2025 अभियान ने सामुदायिक सेवा, पर्यावरण संरक्षण और निरोधक स्वास्थ्य सेवा को मजबूत किया। इससे एक स्वच्छ और स्वस्थ भारत के लिए राष्ट्रीय आंदोलन को बढ़ावा मिला।

अवकाश की सूचना

हमारा कार्यालय नववर्षाभिनंदन, भाई दूज और तीज त्योहार के उपलक्ष्य में 22, 23 और 24 अक्टूबर को बंद रहेगा। इसलिए, समाचार पत्र 23, 24 और 25 अक्टूबर को उपलब्ध नहीं होगा। अगला अंक 26 अक्टूबर, 2025, रविवार से यथावत प्रकाशित होगा।

- सम्पादक

सम्पादकीय

चालाकी से पाक ने किया अफगानिस्तान से युद्ध विराम

अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर है। हाल ही में पाकिस्तान ने तहरीके तालिबान-पाकिस्तान के प्रामुख को निशाना बनाने के बहाने काबुल सहित कई शहरों पर हवाई हमले करके तालिबान को भड़का दिया किन्तु प्रातिव्रिया स्वरूप जब तालिबान ने सीमा पर पाक सैनिकों पर हमला किया तो पाकिस्तानियों के पैर उखड़ गए और वे जान बचाकर भागे।

तब पाक जनरलों को एक धूर्तता करने की सूझी। उन्होंने तालिबान से युद्ध विराम का आग्राह किया। दोनों में सहमति बन गई। लेकिन इसी बीच पाकिस्तान की वायुसेना ने फिर अफगानिस्तान पर हमला करके उसके 10 खिलाड़ियों को मार डाला। पाकिस्तान के इस विश्वासघात से नाराज तालिबान ने पाकिस्तान से कहा है कि अब वह निर्णायक युद्ध के लिए तैयार है और पाक सेना को पाकिस्तान के बार्डर तक पीछे धकेल देगी।

दरअसल यह ऐतिहासिक तथा दुनिया से छिपा नहीं है कि पाक सेना आज तक अपने किसी भी पड़ोसी देश की सेना से जीती नहीं जबकि अफगानिस्तान दुनिया में किसी से हारा नहीं। पाकिस्तान मूर्खता के बाद मूर्खता का परिचय दे रहा है, और इसी व्रम में पाक वायुसेना ने अफगानिस्तान पर हमला कर दिया। सच पूछे तो इस हमले का उद्देश्य ही अफगानिस्तान के लोगों को इस बात का एहसास कराना था कि देखो तुम्हारा विदेश मंत्री भारत में है और वे (पाक) अफगानिस्तान को वुछ भी नहीं समझते। मतलब यह कि यदि अफगानिस्तान भारत से मैत्री संबंध बनाना चाहता है तो बनाए, पाकिस्तान उसे तबाह कर सकता है। पाकिस्तान को इस बात का अनुमान नहीं था कि उनकी इस एक दुःसाहस से दोनों देशों के बीच संबंध खुलेआम शत्रुता में बदल जाएगी।

वास्तविकता तो यह है कि पाक सेना प्रामुख आसिम मुनीर को लगता है कि यदि इस क्षेत्र में तनाव पैदा हो जाए तो अमेरिका को बड़ी आसानी से हस्तक्षेप करने का अवसर मिल जाएगा। मुनीर ने यह चाल तब चली जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तालिबान से बगराम एयरपोर्ट मांगा और उन्होंने उसे टका सा जवाब देते हुए बगराम एयरपोर्ट देने से साफ इंकार कर दिया। ट्रंप ने कहा कि बगराम एयरपोर्ट अमेरिका ने बनाया था जबकि वास्तविकता यह है कि इस एयरपोर्ट को रूस ने बनाया था। किन्तु 2021 में अमेरिकी जब अफगानिस्तान छोड़ने से पहले बगराम एयरपोर्ट की सारी तकनीक सिस्टम को नष्ट कर दिया था। इस बीच अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर मुत्ताकी जब भारत आए तो उन्होंने बगराम एयरपोर्ट को फिर से तकनीकी सिस्टम लगाने और विकसित करने का प्रास्ताव रखा। भारत ने इस प्रास्ताव पर विचार करने का विदेश मंत्री मुत्ताकी को आश्वासन भी दे दिया। पाकिस्तान चाहता है कि भारत किसी हालत में न आए जबकि भारत अफगानिस्तान में मौजूद खनिज संपदा को निकालने में उत्सुक है।

पाकिस्तान को दो डर है, पहला तो यह कि भारत अफगानिस्तान में अपनी लंबित परियोजनाओं, बगराम एयरपोर्ट को विकसित करने तथा खनिज संपदा की खुदाई की योजना को लागू कर दिया तो यह उस (पाकिस्तान) की वूटनीतिक पराजय होगी। इसलिए पाकिस्तान के सनकी सेना ने ठान लिया कि अब अमेरिका को अफगानिस्तान में एक बार फिर स्थापित करके भारत-अफगानिस्तान सहयोग की उम्मीदों पर पानी पेरना ही उसके हित में है। किन्तु पाकिस्तान को इस बात की जरा भी आशंका नहीं थी कि चीन इस टकराव में अफगानिस्तान के पक्ष में बयान देगा। चीन ने दो टूक कहा कि वह अफगानिस्तान सेना द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ प्रातिव्रिया स्वरूप हमले का समर्थन करता है क्योंकि वह अफगानिस्तान के राष्ट्रीय एकता का एवं प्राभुसत्ता का समर्थन करता है। चीन द्वारा अफगानिस्तान के समर्थन के दो कारण हैं, पहला तो यह कि उसकी परियोजनाएं अफगानिस्तान में चल रही हैं और उनके इंजीनियरों एवं तकनीकी कर्मचारियों को तालिबान का पूरा समर्थन है। इसलिए वह नहीं चाहता कि पाकिस्तान तालिबान सत्ता को अस्थिर करे। दूसरा कारण यह है कि अमेरिका बगराम चाहता ही है चीन पर नजर रखने के लिए।

प्रधानमंत्री ने आईएनएस विक्रांत पर मनाई गई दिवाली की झलकियां साझा कीं

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय नौसेना के साथ आईएनएस विक्रांत पर मनाए गए दिवाली उत्सव की झलकियां साझा कीं। श्री मोदी ने इसे अद्भुत, असाधारण क्षण और विलक्षण दृश्य बताते हुए इस बात का उल्लेख किया कि एक ओर विशाल सागर है तो दूसरी ओर भारत माता के वीर सैनिकों की अपार शक्ति। उन्होंने कहा कि जहां एक ओर अनंत क्षितिज और असीम आकाश है, वहीं दूसरी ओर अपरिमित शक्ति के प्रतीक आईएनएस विक्रांत का विराट पराक्रम प्रदर्शित होता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि समुद्र पर सूर्य की रोशनी की चमक दीपावली के दौरान वीर सैनिकों की ओर से जलाए गए दीयों की तरह है जो दीपों की एक दिव्य माला का निर्माण करती है। उन्होंने कहा कि भारतीय नौसेना के वीर जवानों के साथ यह दिवाली मनाने का सौभाग्य उन्हें प्राप्त हुआ है।

सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट की एक श्रृंखला में श्री मोदी ने कहा:

'आईएनएस विक्रांत पर हमारे बहादुर नौसेना कर्मियों के साथ दिवाली मनाते हुए।'

"लोग अपने परिवार के साथ दिवाली मनाना पसंद करते हैं और मैं भी यही करता हूं, यही वजह है कि हर वर्ष मैं अपने देश की सुरक्षा के लिए तैनात सेना के जवानों और सुरक्षाकर्मियों से मिलता हूं। गोवा

और कारवार के पश्चिमी तट पर भारतीय नौसेना के जहाजों पर सवार हमारे बहादुर नौसैनिकों के बीच प्रमुख पोत आईएनएस विक्रांत पर उपस्थित होकर मुझे बहुत खुशी हो रही है।"

'आईएनएस विक्रांत पर मैंने जो कुछ देखा उसमें वायु शक्ति प्रदर्शन, जीवंत सांस्कृतिक कार्यक्रम और बहुत कुछ शामिल है'

'आईएनएस विक्रांत के भव्य उड़ान डेक पर मिग-29 लड़ाकू विमानों के साथ।'

"मैंने आईएनएस विक्रांत पर आश्चर्यजनक और प्रेरणादायक वायु शक्ति प्रदर्शन देखा जिसमें सटीकता और पराक्रम की झलक नजर आई। दिन के उजाले और अंधेरी रात में छोटी हवाई पट्टी पर मिग-29 लड़ाकू विमानों का उड़ान भरना और उतरना, कौशल, अनुशासन और तकनीकी उत्कृष्टता का अद्भुत प्रदर्शन था।"

"बड़ा खाना सशस्त्र बलों की परंपराओं का अभिन्न अंग है। कल शाम आईएनएस विक्रांत पर मैंने नौसेना कर्मियों के साथ बड़ा खाना में भाग लिया।"

'आईएनएस विक्रांत भारत का गौरव है! यह स्वदेश में निर्मित सबसे बड़ा युद्धपोत है। मुझे कोच्चि में हुए उस कार्यक्रम की याद आ रही है जब इसे नौसेना की सेवा में शामिल किया गया था। और आज मुझे दिवाली के अवसर पर यहां आने का अवसर मिला।

"कल शाम आईएनएस विक्रांत पर हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम की यादों को मैं हमेशा संजो कर रखूंगा। नौसेना के जवान वाकई रचनात्मक

और बहुमुखी हैं। उन्होंने 'कसम सिंदूर की' गीत लिखा जो हमेशा मेरी यादों में अंकित रहेगा।"

'आईएनएस विक्रांत पर वायु शक्ति प्रदर्शन से!' 'आईएनएस विक्रांत पर योग! भारत के गौरव आईएनएस विक्रांत पर सवार बहादुर नौसैनिकों को योग सत्र में भाग लेते देखकर बहुत प्रसन्नता हुई। योग हमें एकजुट करता रहे और हमारी शारीरिक और मानसिक सेहत को मजबूत करता रहे।'

"आप सभी की तरह मुझे भी अपने परिवार वालों के साथ दिवाली मनाना बहुत पसंद है। यही वजह है कि इस पावन अवसर पर मैं देश की रक्षा में जुटे अपने सैनिकों और सुरक्षा बलों के जवानों से हर साल मिलता हूं। इस बार यह सौभाग्य मुझे पश्चिमी समुद्री सीमा के पास अपने फ्लैगशिप आईएनएस विक्रांत पर मिला। अपने जांबाज नौसैनिकों के साथ यह अवसर मुझे नई ऊर्जा और नए उत्साह से भर गया है।"

'आईएनएस विक्रांत भारतवर्ष का गौरव है!

यह स्वदेशी तकनीक से बना भारत का सबसे बड़ा युद्धपोत है। मुझे वह कार्यक्रम याद है, जब इसे कोच्चि में नौसेना के बेड़े में शामिल किया गया था। आज दीपावली के पावन अवसर पर यहां आकर गौरवान्वित हूं।" "पिछली शाम आईएनएस विक्रांत पर हुआ सांस्कृतिक कार्यक्रम अविस्मरणीय रहेगा। हमारे नौसैनिक प्रतिभाशाली और पराक्रमी होने के साथ-साथ बहुत क्रिएटिव भी हैं। उनका गीत 'कसम सिन्दूर की' मेरी स्मृतियों में सदा बसा रहेगा।"

'आज के स्टीमपास्ट में जिन युद्धपोतों ने भाग लिया उनमें आईएनएस विक्रांत (समीक्षा मंच), आईएनएस विक्रमादित्य (जहां मैं दस साल पहले संयुक्त कमांडरों के सम्मेलन के लिए गया था), आईएनएस सूरत (जिसे इस साल की शुरूआत में मुंबई में नौसेना में शामिल किया गया था), आईएनएस मोरमुगाओ, आईएनएस चेन्नई (जो फ्रांस में बैस्टिल दिवस समारोह 2023 का हिस्सा बने थे), आईएनएस इम्फाल (जिसने इस वर्ष मॉरीशस राष्ट्रीय दिवस समारोह में भाग लिया था), आईएनएस कोलकाता, आईएनएस तुषिल, आईएनएस तबर, आईएनएस तेग, आईएनएस बेतवा, आईएनएस दीपक और आईएनएस आदित्य शामिल थे'।

'आईएनएस विक्रांत पर फ्लाईपास्ट में ध्वज और नौसेना के निशान के साथ चेतक, एमएच 60 आर, सीकिंग, कामोव 31, डोर्नियर, पी8आई और मिग 29के शामिल थे'।

सितंबर, 2025 के लिए आठ प्रमुख उद्योगों का सूचकांक (आधार वर्ष : 2011-12=100)

(जीएनएस)।

आठ कोर उद्योगों (आईसीआई) का संयुक्त सूचकांक सितंबर, 2024 के सूचकांक की तुलना में सितंबर, 2025 में 3.0 प्रतिशत (अनंतिम) बढ़ गया। इस्पात, सीमेंट, विद्युत और उर्वरक के उत्पादन में सितंबर, 2025 में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई। वार्षिक सूचकांक, मासिक सूचकांक और वृद्धि दर के विवरण अनुलग्नक-क और अनुलग्नक-कक्र में दिए गए हैं।

आईसीआई आठ प्रमुख उद्योगों- कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और विद्युत - के उत्पादन के संयुक्त और व्यक्तिगत प्रदर्शन को मापता है। आठ प्रमुख उद्योग औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में शामिल वस्तुओं के भार का 40.27 प्रतिशत हिस्सा रखते हैं।

अगस्त 2025 के लिए आठ कोर उद्योगों के सूचकांक की अंतिम वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रही । अप्रैल से सितंबर, 2025-26 के दौरान आईसीआई की संचयी वृद्धि दर पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 2.9 प्रतिशत (अनंतिम) है।

आठ कोर उद्योगों के सूचकांक का सारांश नीचे दिया गया है:

कोयला - कोयला उत्पादन (भारांकः 10.33 प्रतिशत) सितम्बर, 2025 में सितम्बर, 2024 की तुलना में 1.2 प्रतिशत घट गया। अप्रैल से सितम्बर, 2025-26 के दौरान इसका संचयी सूचकांक पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 0.7 प्रतिशत घट गया।

कच्चा तेल - कच्चे तेल का उत्पादन (भारांकः 8.98 प्रतिशत) सितम्बर, 2025 में सितम्बर, 2024 की तुलना में 1.3 प्रतिशत घट गया। अप्रैल से सितम्बर, 2025-26 के दौरान इसका संचयी सूचकांक पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 1.1 प्रतिशत घट गया।

प्राकृतिक गैस - प्राकृतिक गैस का उत्पादन (भारांकः 6.88 प्रतिशत) सितम्बर, 2025 में सितम्बर, 2024 की तुलना में 3.8 प्रतिशत घट गया। अप्रैल से सितम्बर, 2025-26 के दौरान इसका संचयी सूचकांक पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 2.9 प्रतिशत घट गया।

पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पाद - पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पादन (भारांकः 28.04 प्रतिशत) सितंबर, 2025 में सितंबर, 2024 की तुलना में 3.7 प्रतिशत घट गया। अप्रैल से सितंबर, 2025-26 के दौरान इसका संचयी सूचकांक पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 0.3 प्रतिशत घट गया।

उर्वरक - उर्वरक उत्पादन (भारांकः 2.63 प्रतिशत) सितम्बर, 2025 में सितम्बर, 2024 की तुलना में 1.6 प्रतिशत बढ़ गया। अप्रैल से सितम्बर, 2025-26 के दौरान इसका संचयी सूचकांक पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 0.4 प्रतिशत कम हो गया।

इस्पात - इस्पात उत्पादन (भारांकः 17.92 प्रतिशत) सितम्बर, 2025 में सितम्बर, 2024 की तुलना में 14.1 प्रतिशत बढ़ गया। अप्रैल से सितम्बर, 2025-26 के दौरान इसका संचयी सूचकांक पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 11.0 प्रतिशत बढ़ गया।

सीमेंट - सीमेंट उत्पादन (भारांकः 5.37 प्रतिशत) सितंबर, 2025 में सितंबर, 2024 की तुलना में 5.3 प्रतिशत बढ़ गया। अप्रैल से सितंबर, 2025-26 के दौरान इसका संचयी सूचकांक पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 7.7 प्रतिशत बढ़ गया।

विद्युत झ विद्युत उत्पादन बिजली उत्पादन (भारांकः 19.85 प्रतिशत) सितंबर, 2025 में सितंबर, 2024 की तुलना में 2.1 प्रतिशत बढ़ गया। अप्रैल से सितंबर, 2025-26 के दौरान इसका संचयी सूचकांक पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 0.9 प्रतिशत बढ़ गया।

नोट 1: अगस्त, 2025 के आंकड़े अंतिम हैं। सितंबर, 2025 के आंकड़े अनंतिम हैं। कोर उद्योगों के सूचकांकों को स्रोत एजेंसियों से प्राप्त अद्यतन आंकड़ों के अनुसार संशोधित/अंतिम रूप दिया जाता है।

नोट 2: अप्रैल 2014 से नवीकरणीय स्रोतों से विद्युत उत्पादन के आंकड़े भी शामिल किए गये हैं।

नोट 3: ऊपर दर्शाए गए उद्योग-वार भारांक, आईआईपी से प्राप्त व्यक्तिगत उद्योग भारांक हैं, जो आईसीआई से लिए गये हैं और आईसीआई के संयुक्त भारांक को 100 के बराबर बनाने के लिए अनुपातिक आधार पर बढ़ाये गये हैं।

नोट 4: मार्च 2019 से तैयार इस्पात के उत्पादन के अंतर्गत 'कोल्ड रोल्ड (सीआर) कॉइल्स' मद के अंतर्गत हॉट रोल्ड पिकल्ड एंड ऑइल्ड (एचआरपीओ) नामक एक नया इस्पात उत्पाद भी शामिल किया गया है।

नोट 5: अक्टूबर, 2025 के लिए सूचकांक गुरुवार, 20 नवंबर, 2025 को जारी किया जाएगा।

भारतीय नौसेना के कमांडरों के सम्मेलन का द्वितीय संस्करण 22 अक्टूबर 2025 से शुरू होगा

(जीएनएस)।

भारतीय नौसेना के द्विवार्षिक कमांडर सम्मेलन 2025 का द्वितीय संस्करण नई दिल्ली में 22 से 24 अक्टूबर 2025 तक तीन दिन आयोजित किया जाएगा। यह सम्मेलन 'ऑपरेशन सिंदूर' और नौसेना के तीव्र गति के अभियानों और युद्ध की तैयारियों की पृष्ठभूमि में और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। भारतीय सेना, भारतीय वायुसेना और भारतीय तटरक्षक बल के साथ युद्ध क्षमताओं, अंतर-संचालन क्षमता और संयुक्त अभियानों को बढ़ाने पर नौसेना का ध्यान उभरते खतरों को रोकने और हिंद महासागर क्षेत्र तथा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समुद्री कौशल का प्रदर्शन करने के उसके संकल्प पर बल देता है।

सम्मेलन के दौरान माननीय रक्षा मंत्री और कैबिनेट सचिव नौसेना के कमांडरों को संबोधित करेंगे और व्यापक राष्ट्रीय हितों तथा विकसित भारत 2047 के प्रति दृष्टिकोण के संबंध में तस्वीर पेश करेंगे। यह सम्मेलन राष्ट्रीय नेतृत्व और नौकरशाहों के बीच घनिष्ठ संपर्क के लिए महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करता है और वर्तमान भू-रणनीतिक वातावरण में बहुआयामी चुनौतियों से निपटने की दिशा में नौसेना के दृष्टिकोण को बेहतर बनाता है।

इस सम्मेलन को प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ) और वायुसेना अध्यक्ष (चीफ ऑफ एयर स्टाफ) के संबोधित करेंगे और नौसेना के वरिष्ठ नेतृत्व के साथ गहन चर्चाएं भी इसमें शामिल होंगी। इन वार्ताओं का उद्देश्य संयुक्त योजना और संचालनों के क्रियान्वयन में तालमेल और क्षमता वृद्धि के लिए संसाधनों का अधिकतम उपयोग करने पर केंद्रित होगा।

नौसेना प्रमुख इस दौरान सभी कमांडर-इन-चीफ के साथ मिलकर हमारी प्राथमिक ज़िम्मेदारी के क्षेत्र हिंद महासागर में समग्र सुरक्षा स्थिति से संबंधित योजनाओं की समीक्षा और मूल्यांकन करेंगे। साथ ही, वर्तमान परिदृश्य में विभिन्न नौसैनिक कार्रवाइयों के संचालन, इसके लिए प्रशिक्षण और संसाधन की उपलब्धता से संबंधित आदर्श स्थितियों पर भी चर्चा होगी। कमांडर भविष्य की संभावनाओं के लिए नौसेना के रोडमैप पर भी गहन विचार-विमर्श करेंगे। इसमें कार्रवाइयों के संचालन से संबंधित प्रमुख बिन्दु, बेहतर ऑपरेशन लॉजिस्टिक्स संबंधी विषय और डिजिटलीकरण शामिल हैं। इस दौरान, युद्ध समाधानों और सुरक्षित वातावरण में निरंतर निर्बाध संचालन के लिए एआई, बिग डेटा और मशीन लर्निंग जैसी अत्याधुनिक परिवर्तनकारी तकनीकों की समीक्षा के लिए चर्चा की योजना भी बनाई गई है।

सम्मेलन में व्यापक स्तर पर नौसेना का शीर्ष नेतृत्व पश्चिमी और पूर्वी समुद्री तटों पर अपनी परिचालन तैयारियों की समीक्षा करेगा, मेक इन इंडिया योजना के तहत स्वदेशीकरण और नवाचार को बढ़ावा देने, भारत सरकार के महासागर (सभी क्षेत्रों में सुरक्षा के लिए पारस्परिक और समग्र उन्नति) के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने और आईओआर तथा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में पसंदीदा सुरक्षा साझेदार के रूप में भारतीय नौसेना की स्थिति को प्रोत्साहित करने के संबंध में विचार करेगा।

भारी उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम और स्वायत्त निकाय, विशेष अभियान 5.0 में सक्रिय रूप से भागीदारी कर रहे हैं

(जीएनएस)।

स्वच्छता को संस्थागत बनाने और सरकारी मामलों में लंबित मामलों के निपटान के लिए प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर, भारी उद्योग मंत्रालय (एमएचआई) अपने केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों (सीपीएसई) और स्वायत्त निकायों (एबी) के साथ मिलकर विशेष अभियान (एससीडीपीएम) 5.0 में सक्रिय रूप से भागीदारी कर रहा है जो लगातार पाँचवें वर्ष चल रहा है। यह अभियान 2 अक्टूबर से शुरू हो गया है और 31 अक्टूबर, 2025 तक चलेगा।

विशेष अभियान 5.0 के तैयारी चरण के दौरान चिह्नित की गई स्वच्छता गतिविधियों के कार्यान्वयन का निरीक्षण भारी उद्योग मंत्रालय (एमएचआई) के सचिव और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मिलकर जा रहा है। दैनिक प्रगति की एक रिपोर्ट की निगरानी एक समर्पित टीम द्वारा की जा रही है और इसे प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग द्वारा होस्ट किए गए एससीडीपीएम पोर्टल पर अपलोड किया जा रहा है।

मौजूदा विशेष अभियान 5.0 के भाग के रूप में, एमएचआई के सचिव श्री कामरान रिजवी ने मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एमएचआई, नई दिल्ली के विभिन्न

प्रभागों का निरीक्षण किया।

20 अक्तूबर 2025 तक की मध्यावधि समीक्षा के अनुसार —

1,336 लक्षित स्थलों में से 755 स्थलों पर स्वच्छता अभियान पूरा किया गया (57% उपलब्धि)

37.29 लाख वर्ग फीट लक्ष्य के मुकाबले 28.75 लाख वर्ग फुट जगह खाली कर दी गई है। (77% उपलब्धि)

28 सार्वजनिक शिकायतें और 10 अपीलें पूरी तरह निस्तारित की गईं (100% उपलब्धि)

40,400 लक्षित फाइलों में से 16,667 भौतिक फाइलों की समीक्षा की गई। (41% उपलब्धि)

7,404 लक्षित फाइलों के मुकाबले 11,426 फाइलें नष्ट की गईं। (154% उपलब्धि)

10,59,804 ई-फाइलों में से 10,54,976 की समीक्षा। (99% उपलब्धि)

9,50,333 लक्षित ई-फाइलों में से 9,45,422 नष्ट की गईं। (99% उपलब्धि)

विशेष अभियान 5.0 के एक भाग के रूप में, ईपीआईएल ने कॉर्पोरेट कार्यालय, नई दिल्ली में चौथी मंजिल की पेंट्री का नवीनीकरण किया है।

विशेष अभियान 5.0 के एक भाग के रूप में, सीएमटीआई ने कर्नाटक के बेंगलुरु स्थित सीएएसएमपी ब्लॉक में अपनी छत पर सफाई गतिविधियां शुरू की हैं।

इसके अलावा, जागरूकता और व्यापक कवरेज बनाने के लिए, सीपीएसई और एबी के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से एक्स (जिसे पहले ट्विटर के नाम से जाना जाता था) पर 350 से अधिक ट्वीट पोस्ट किए गए हैं। अब तक, एमएचआई द्वारा 3 पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) वक्तव्य जारी किए गए हैं, जिनमें विशेष अभियान 5.0 के तहत मंत्रालय और उसके सीपीएसई/एबी द्वारा की गई महत्वपूर्ण गतिविधियों पर प्रकाश डाला गया है।

विशेष अभियान 5.0 के एक भाग के रूप में, एवाईसीएल ने अपने मुख्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल में कार्यालय स्क्रैप/कबाड़ को हटाकर सफाई गतिविधियां शुरू की हैं और इसे एक मनोरंजन कक्ष में बदल दिया है।

भारी उद्योग मंत्रालय ने पहली बार अंतर-संगठन निरीक्षण प्रणाली शुरू की है ताकि विभिन्न संगठनों द्वारा चलाए जा रहे अभियानों की गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित की जा सके।

गुजरात और हरियाणा में ग्रामीण स्थानीय निकायों को मजबूत बनाने के लिए केंद्र ने पंद्रहवें वित्त आयोग के अनुदान के रूप में ₹730 करोड़ से अधिक जारी किए

(जीएनएस)।

केंद्र सरकार ने गुजरात और हरियाणा में ग्रामीण स्थानीय निकायों (आरएलबी) को मजबूत बनाने के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान पंद्रहवें वित्त आयोग (श ऋछ) के अनुदान जारी किए हैं। गुजरात में, वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए ₹522.20 करोड़ की असंबद्ध अनुदान की दूसरी किस्त राज्य की सभी 38 ज़िला पंचायतों, 247 पात्र ब्लॉक पंचायतों और 14,547 पात्र ग्राम पंचायतों के लिए जारी की गई है। इसके अलावा, वित्त वर्ष 2024-25 के लिए मुक्त (अनटाइड) अनुदान की पहली किस्त के रोके गए हिस्से के ₹13.5989 करोड़ अतिरिक्त पात्र 6 जिला पंचायतों, 5 ब्लॉक पंचायतों और 78 ग्राम पंचायतों को भी जारी कर दिए गए हैं। जबकि हरियाणा के लिए, केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए मुक्त अनुदान की ₹195.129 करोड़ की पहली किस्त जारी की है, जो राज्य की 18 जिला पंचायतों, 134 पात्र ब्लॉक पंचायतों और 6,164 ग्राम पंचायतों के लिए है।

भारत सरकार, पंचायती राज मंत्रालय और जल शक्ति मंत्रालय (पेयजल एवं स्वच्छता विभाग) के माध्यम से, राज्यों को पंचायती राज संस्थाओं/ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए श-ऋछ अनुदान जारी करने की सिफारिश करती है, जिन्हें बाद में वित्त मंत्रालय जारी करता है। आवंटित अनुदानों की सिफारिश की जाती है और एक वित्तीय वर्ष में दो किस्तों में जारी किया जाता है। वेतन और अन्य स्थापना लागतों को छोड़कर, पंचायती राज संस्थाओं/ग्रामीण स्थानीय निकायों द्वारा संविधान की ग्यारहवीं अनुसूची में निहित उनतीस (29) विषयों के अंतर्गत स्थान-विशिष्ट आवश्यकताओं के लिए मुक्त अनुदानों का उपयोग किया जाएगा। बद्ध (टाइड) अनुदानों का उपयोग (क) स्वच्छता और खुले में शौच से मुक्ति (ओडीएफ) स्थिति के रखरखाव की बुनियादी सेवाओं के लिए किया जा सकता है, और इसमें घरेलू कचरे का प्रबंधन और उपचार, विशेष रूप से मानव मल और मल प्रबंधन, और (ख) पेयजल आपूर्ति, वर्षा जल संचयन और जल पुनर्चक्रण शामिल होना चाहिए।

सर्वोत्तम अभ्यास: विशेष अभियान 5.0 के अंतर्गत विधायी विभाग में वॉल पेंटिंग पहल शुरू

(जीएनएस)।

विधि एवं न्याय मंत्रालय के विधायी विभाग ने कानून का मसौदा तैयार करने और उसकी समीक्षा करने के अपने मुख्य कार्य के अलावा, सरकार के विशेष अभियान 5.0 के अंतर्गत कई रचनात्मक और टिकाऊ पहल की हैं। इस पहल के तहत, विभाग के गलियारों और सार्वजनिक स्थानों को "अपशिष्ट से धन" की अवधारणा - पृथ्वी बचाओ, प्लास्टिक निषेध, पुनर्चक्रण, अपशिष्ट से कला, पुरानी फाइलें, कागज और पर्यावरण-अनुकूल - के अनुरूप विषयगत वॉल पेंटिंग्स से सजाया गया है। इन पहलों से कार्यस्थल की सुंदरता और कर्मचारियों के मनोबल में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, साथ ही विभाग की स्थिरता और नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता भी सुदृढ़ हुआ है। यह मॉडल स्थानीय कलात्मक प्रतिभा का लाभ उठाकर और पर्यावरणीय चेतना तथा संस्थागत गौरव को बढ़ावा देने हेतु सामग्रियों का रचनात्मक पुनः उपयोग करके अन्य सरकारी विभागों के लिए एक अनुकरणीय ढांचा प्रदान करता है।

पेंटिंग का यह कार्य शास्त्री भवन में अपर सचिव/नोडल अधिकारी श्री आर.के. पटनायक की देखरेख में श्रीमती राखी बिस्वास, अवर सचिव और विधायी विभाग के अन्य अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर, नोडल अधिकारी श्री आर.के. पटनायक ने अभियान के सर्वोत्तम अभ्यास के महत्व पर बल दिया।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

पश्चिम रेलवे चलायेगी साबरमती और मुजफ्फरपुर के बीच अनारक्षित फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन

पश्चिम रेलवे द्वारा छठ पूजा त्योहार के मद्देनजर यात्रियों की मांग एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए साबरमती-मुजफ्फरपुर के बीच अनारक्षित स्पेशल ट्रेन विशेष किराये पर चलाने का निर्णय लिया गया है। इस स्पेशल ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है:

ट्रेन संख्या 09483/09484 साबरमती-मुजफ्फरपुर अनारक्षित स्पेशल ट्रेन (8 फेरे)

ट्रेन संख्या 09483 साबरमती-मुजफ्फरपुर अनारक्षित स्पेशल 22 अक्टूबर 2025 से 25 अक्टूबर 2025 तक प्रतिदिन साबरमती से 23.30 बजे प्रस्थान करेगी तथा तीसरे दिन 07.30 बजे मुजफ्फरपुर पहुचेंगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 09484 मुजफ्फरपुर-साबरमती अनारक्षित स्पेशल 24 अक्टूबर 2025 से 27 अक्टूबर 2025 तक प्रतिदिन मुजफ्फरपुर से 10:30 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 22.00 बजे साबरमती पहुचेंगी।

मार्ग में दोनों दिशाओं में यह ट्रेन महेसाणा, पालनपुर, आबूरोड, मारवाड़ जं., अजमेर, जयपुर, ईदगाह, टुंडला, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, बाराबंकी, गोंडा, बस्ती, गोरखपुर, सीवान, छपरा, सोनपुर एवं हाजीपुर स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में सभी अनारक्षित श्रेणी के कोच रहेंगे।

ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के लिए जमीनी स्तर पर व्यवस्था का आकलन किया

(जीएनएस)।

12 लाख रेलवे कर्मचारी दिन-रात काम कर रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यात्री सुरक्षित और समय पर घर पहुंचें: अश्विनी वैष्णव

पिछले 20 दिनों में, 4211 विशेष ट्रेनों ने 1 करोड़ से अधिक यात्रियों की सेवा की, त्यौहारों की भीड़ को कम करने के लिए 7800 और ट्रेनों का परिचालन किया जाएगा

औसतन प्रतिदिन 4.25 लाख यात्रियों को सुविधा प्रदान की जा रही है

रेल भवन और सभी जोन और डिवीजनों में समर्पित वॉर रूम सुचारू प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए तत्क्षण यात्री यात्रा की निगरानी कर रहे हैं

भारतीय रेल त्यौहारों की भीड़ के दौरान लोगों की सेवा में मानवीय स्पर्श, समर्पित होल्डिंग क्षेत्रों के अलावा, एम-यूटीएस सहित अतिरिक्त टिकट काउंटर, यात्रियों को पीने योग्य पानी की सुविधा और स्वच्छ वॉशरूम प्रदान किए गए

यात्रियों ने भारतीय रेल की बेहतर उत्सव व्यवस्था की प्रशंसा की, अनारक्षित डिब्बों में भी आरामदायक यात्रा की सूचना

केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज नई दिल्ली रेलवे स्टेशन का दौरा किया और इस त्योहारी सीजन के दौरान रेलवे द्वारा की गई व्यवस्थाओं का जमीनी स्तर पर आकलन किया। बाद में मीडिया से बातचीत करते हुए, उन्होंने बताया कि यात्रियों को उनके गंतव्य तक सुरक्षित पहुंचाने के लिए 12 लाख रेलवे कर्मचारी दिन-रात काम कर रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि इन विशेष ट्रेनों से अब तक 1 करोड़ से अधिक यात्रियों को सेवा दी जा चुकी है।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि औसतन लगभग 4.25 लाख यात्री प्रतिदिन दिल्ली क्षेत्र से यात्रा कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि सूरत, मुंबई, कोयंबटूर, हैदराबाद और बेंगलुरु जैसे प्रमुख स्टेशनों पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है और यहां तक कि चलती ट्रेनों पर भी कड़ी नजर रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मंडल और जोन का अपना वॉर रूम है, जो सभी रेल कर्मचारियों के समर्पित प्रयासों से चौबीसों घंटे निगरानी सुनिश्चित करता है।

केंद्रीय मंत्री ने प्लेटफार्म संख्या 1 से होते हुए आरपीएफ नियंत्रण कक्ष का दौरा किया, जो पूरे स्टेशन पर नजर रखता है। उन्होंने यात्रियों से बातचीत कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। केंद्रीय मंत्री ने प्राथमिक चिकित्सा कक्ष का भी दौरा किया और ड्यूटी पर तैनात डॉक्टरों से बातचीत की।

श्री वैष्णव ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या 16 पर पटना जाने वाली अमृत भारत एक्सप्रेस के यात्रियों से भी बातचीत की। यात्रियों ने भारतीय रेलवे द्वारा उनके लिए की गई व्यवस्थाओं की सराहना की। उन्होंने यात्रियों की सुविधा के लिए बनाए गए होल्डिंग एरिया (यात्री सुविधा केंद्र) का भी दौरा किया।

निरीक्षण के दौरान रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सतीश कुमार, उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार वर्मा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

केंद्रीय मंत्री ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन का दौरा करने से पहले रेल भवन वॉर रूम से विशेष ट्रेनों की जानकारी की भी समीक्षा की। यात्रियों की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए रेलवे अधिकारियों को महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए।

भारतीय रेल त्योहारी सीजन के दौरान 12,011 विशेष ट्रेनें चला रहा है, ताकि यात्रा मांग में तेज वृद्धि को पूरा किया जा सके, जो 2024 में 7,724 ट्रेनों से उल्लेखनीय वृद्धि है।

नियमित रेल सेवाओं के अलावा, भारतीय रेल ने 1 अक्टूबर से 20 अक्टूबर 2025 के बीच 4,211 विशेष रेलगाड़ियों का सफलतापूर्वक संचालन किया है, जिनसे 1 करोड़ से ज्यादा यात्रियों को सुविधा मिली है। दिवाली और छठ के दौरान यात्रियों की संख्या में अपेक्षित वृद्धि को देखते हुए, भारतीय रेल आने वाले दिनों में लगभग 7800 और विशेष रेलगाड़ियां चलाने की योजना बना रहा है।

1 से 20 अक्टूबर 2025 के बीच, इन विशेष ट्रेनों द्वारा 1 करोड़ से अधिक यात्रियों को सेवा प्रदान की जा चुकी है। नई दिल्ली क्षेत्र में, 16 से 20 अक्टूबर 2025 के बीच 21.04 लाख यात्रियों को सुविधा प्रदान की गई, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में 19.71 लाख यात्रियों को सुविधा प्रदान की गई थी, इस प्रकार 1.33 लाख यात्रियों की वृद्धि हुई।

देश भर में यात्री सुविधाओं को मजबूती

भारतीय रेल यात्रियों की सुविधा और आराम को बढ़ाने के लिए व्यापक प्रयास कर रहा है। सभी स्टेशनों पर यात्री प्रबंधन को सुव्यवस्थित किया गया है, जिसमें सुगम यात्रा अनुभव सुनिश्चित करने के लिए समर्पित होल्डिंग क्षेत्र, अतिरिक्त टिकट काउंटर, पेयजल सुविधाएं और स्वच्छ शौचालय उपलब्ध कराए गए हैं।

भारतीय रेल ने त्योहारों के मौसम में आने वाले यात्रियों की भारी भीड़ की निगरानी और प्रबंधन के लिए रेल भवन में एक समर्पित "वॉर रूम" स्थापित किया है। यह कमांड सेंटर तत्क्षण निगरानी रखने में सक्षम है और अधिकारियों को भीड़भाड़, यात्रियों की शिकायतों और संभावित घटनाओं का त्वरित समाधान करने में सक्षम बनाता है। यह पहल केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के कार्यभार संभालने के तुरंत बाद उनके मार्गदर्शन में स्थापित की गई थी, जिसका उद्देश्य पूरे रेलवे नेटवर्क में सुरक्षा और निगरानी को मजबूत करना है।

श्री वैष्णव और रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, सतीश कुमार, यात्रियों की आवाजाही की समीक्षा करने और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देने के लिए समय-समय पर रेल भवन वॉर रूम का दौरा करते हैं। आज, यह वॉर रूम पूरे भारतीय रेल नेटवर्क की निगरानी करने वाली एक प्रभावी प्रणाली के रूप में विकसित हो चुका है, जिसके रेलवे बोर्ड, क्षेत्रीय और मंडल स्तर पर 80 से अधिक वॉर रूम सक्रिय हैं।

इसी प्रकार, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर यात्री व्यवस्थाओं पर बारीकी से निगरानी रखने, सुचारू संचालन सुनिश्चित करने और यात्रियों के लिए अधिक सुविधा सुनिश्चित करने के लिए एक छोटा नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है।

जयपुर स्टेशन पर यात्रियों को विशेष मोबाइल अनारक्षित टिकट प्रणाली (एम-यूटीएस) के माध्यम से सीधे होल्डिंग एरिया में टिकट जारी किए जा रहे हैं, जिससे स्टेशन पर व्यवस्था बनाए रखने में मदद मिल रही है और यात्रियों को सुविधाजनक और संतोषजनक अनुभव मिल रहा है।

पश्चिम रेलवे का वडोदरा मंडल भी यात्रियों की बढ़ती भीड़ को नियंत्रित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। 1 अक्टूबर से अब तक, वडोदरा मंडल द्वारा संचालित नियमित और 5 विशेष ट्रेनों के माध्यम से 30 लाख से अधिक यात्री उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल स्थित अपने गंतव्यों तक पहुंच चुके हैं। मंडल द्वारा पांच त्यौहार विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं, जिनके 70 से अधिक फेरे पहले ही अधिसूचित किए जा चुके हैं।

यात्री सुविधा के तहत, व्यस्त यात्रा समय के दौरान यात्रियों की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए आज उधना रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के बीच 5,000 पैकेज्ड पेयजल बोतलें वितरित की गईं।

तंजावुर जंक्शन पर एक हालिया उदाहरण, जहां बुजुर्ग यात्रियों ने स्वच्छ सुविधाओं के साथ वातानुकूलित विश्राम कक्षों का लाभ उठाया। उन्होंने विषम समय में भी आराम और सुविधा सुनिश्चित की। यात्रियों ने भी भारतीय रेलवे के अपने बेहतर यात्री अनुभव के हिस्से के रूप में विचारशील, सेवा-उन्मुख सुविधाएं प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित किया।

भ्रामक सूचना का मुकाबला करना और पारदर्शिता सुनिश्चित करना

भारतीय रेल यात्रियों के लिए सुरक्षित, आरामदायक और सुव्यवस्थित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए चालू त्यौहारी सीजन के दौरान सतर्कता से काम कर रही है, साथ ही सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से फैलाई जा रही गलत सूचनाओं को रोकने के लिए सक्रिय कदम भी उठा रही है।

यह संज्ञान में आया है कि कुछ सोशल मीडिया हैंडल यात्रियों में अनावश्यक दहशत पैदा करने के लिए भीड़भाड़ और यात्रियों की असुविधा को दशार्ने वाली पुरानी तस्वीरें और वीडियो प्रसारित कर रहे हैं। इनमें से कई दृश्य बिना संदर्भ के शेयर किए जा रहे हैं, जिससे जनता को यह भ्रम हो रहा है कि ये हाल ही के हैं। आधिकारिक क्षेत्रीय हैंडल सक्रिय रूप से स्पष्टीकरण जारी कर रहे हैं और ऐसी भ्रामक सामग्री को पुराना और झूठा बता रहे हैं।

त्यौहार सीजन में वडोदरा मंडल ने की व्यापक व्यवस्था, फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनों से 30 लाख यात्रियों ने की यात्रा

दिवाली और छठ पर यात्रियों विशेषकर उत्तर प्रदेश और बिहार में रहने वाले निवासियों का एक प्रमुख त्यौहार है। दिवाली और छठ की मौके पर अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल द्वारा हर संभव प्रयास किया जा रहे हैं। 1 अक्टूबर से अभी तक वडोदरा मंडल द्वारा परिचालित नियमित एवं 5 स्पेशल ट्रेनों के जरिये अभी तक 30 लाख से ज्यादा यात्रिओं ने उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल में अपने गंतव्य तक यात्रा की है।

वडोदरा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके ने आज आयोजित प्रेस ब्रीफिंग में प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को संबोधित करते हुए बताया कि वडोदरा मंडल का यह प्रयास है कि छठ के दौरान यात्रिओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और वे खुशी खुशी अपने परिवार के साथ त्यौहार मना सके। इसके लिए वडोदरा मंडल द्वारा पांच फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही है, जिसके 70 से ज्यादा ट्रिप नोटिफिएड किये जा चुके है। वडोदरा स्टेशन से यात्रियों की सुविधा के लिए मऊ, कोलकाता और गोरखपुर के लिए आरक्षित ट्रेनें चलायी जा रही है, तो वहीं प्रतापनगर से दो अनारक्षित ट्रेनें कटिहार और जयनगर के लिए चलायी जा रही हैं। यात्रिओं तक

स्पेशल ट्रेनों की जानकारी प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं सोशल मीडिया के माध्यम से पहुचायी जा रही है। स्टेशन पर पर्याप्त जगह पर स्पेशल ट्रेनों की सूची लगाई गई है और इसकी उद्घोषणाएं ढअ सिस्टम पर लगातार की जा रही है।

श्री भडके ने बताया कि यात्रिओं की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए क्राउड मैनेजमेंट के विशेष प्रयास किये गए है। इसके लिए वडोदरा स्टेशन पर 350 स्क्वायर मीटर क्षेत्रफल का एक होल्डिंग एरिया बनाया गया है,जहां यात्री ट्रेन आने से पहले आराम कर सकते हैं होल्डिंग एरिया में सीटिंग व्यवस्था, शुद्ध पेयजल की व्यवस्था, पर्याप्त लाइटिंग जैसी मूलभूत सुविधाएं दी गई है। मंडल के अंकलेश्वर, भरुच, वडोदरा, छायापुरी और गोधरा में यात्रिओं की सहायता के लिए राउंड द क्लॉक टिकट चेकिंग और रेल सुरक्षा बल के अतिरिक्त स्टाफ की तैनाती की गयी है, जिससे यात्रियों को कोई असुविधा न हो। मंडल कार्यालय में वॉर रूम स्थापित किया गया है, जहाँ उच्च अधिकारिओं द्वारा यात्रिओं की भीड़, उनकी सुरक्षा और स्टेशन पर सुविधाओं की निगरानी की जा रही है।

टिकटिंग एवं यात्री सुरक्षा में किये गए प्रयासों की जानकारी देते हुए उन्होंने आगे बताया कि यात्री को टिकट लेने में किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए प्रतापनगर एवं वडोदरा स्टेशन पर एक्स्ट्रा बुकिंग काउंटर खोले गए हैं। यात्रिओं के लिए टिकटिंग को आसान करते हुए टिकट चेकर द्वारा मोबाइल टिकटिंग की भी व्यवस्था की गयी है। स्टेशन पर यात्रियों की संख्या की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है और सीसीटीवी कैमरे द्वारा यात्रा की सुरक्षा का भी ध्यान रखा जा रहा है। रेलवे सुरक्षा बल (फ्ढक्र) के जवान प्रभावी समन्वय बनाए रखने और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, ड्यूटी के दौरान निर्बाध डिजिटल संचार के लिए वॉकी-टॉकी और बॉडी वॉर्न कैमरा का उपयोग कर रहें हैं।

त्योहार के समय यात्री अपने परिजनों से मिलने रेल सेवाओं को लाभ उठा रहे हैं। पश्चिम रेलवे का वड़ोदरा मंडल की आप सभी से अपील है टिकट खरीद कर यात्रा करें और स्टेशन पर उपलब्ध रेलवे कर्मचारियों के दिशा निदेर्शों का पालन करें। पश्चिम रेलवे छठ पर यात्रिओं के सफर को सुविधाजनक और आरामदायक बनाए के लिए प्रतिबध्द है।

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक ने किया बांद्रा टर्मिनस का दौरा

पहली तस्वीर में पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता मीडिया से बातचीत करते हुए तथा दूसरी तस्वीर में महाप्रबंधक होल्डिंग एरिया में यात्रियों से बातचीत करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

त्योहारों की भीड़ के मद्देनजर यात्री सुविधाओं का निरीक्षण तथा भीड़ प्रबंधन व्यवस्थाओं की समीक्षा की

दिवाली और छठ पूजा के त्योहारी सीजन के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त संख्या को देखते हुए पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने 21 अक्टूबर 2025 को बांद्रा टर्मिनस स्टेशन का दौरा किया तथा अत्यधिक यात्री यातायात को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए यात्री सुविधाओं, भीड़ प्रबंधन व्यवस्था और स्पेशल ट्रेन परिचालन का विस्तृत निरीक्षण किया। उनके साथ पश्चिम रेलवे मुख्यालय और मुंबई सेंट्रल मंडल के वरिष्ठ रेल अधिकारी भी मौजूद थे। इस दौरे के दौरान महाप्रबंधक ने बांद्रा टर्मिनस के विभिन्न क्षेत्रों जैसे कि कॉनकोर्स, होल्डिंग एरिया, टिकट काउंटर, प्रतीक्षालय और सकुर्लेटिंग एरिया का निरीक्षण किया तथा त्योहारों के दौरान आने वाली भीड़ को प्रभावी ढंग से संभालने के लिए स्टेशन की तैयारियों की समीक्षा की।

निरीक्षण के बाद श्री विवेक कुमार गुप्ता ने मीडिया को संबोधित किया और उन्हें त्योहारों के दौरान होने वाली भीड़ को प्रबंधित करने तथा यात्रियों को आरामदायक यात्रा प्रदान करने के लिए रेलवे द्वारा किए गए व्यापक प्रबंधों के बारे में जानकारी दी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, प्रेस ब्रीफिंग के दौरान महाप्रबंधक ने बताया कि भारतीय रेल द्वारा वर्तमान त्योहारी सीजन के दौरान हॉलिडे स्पेशल ट्रेनों के 12,000 से अधिक फेरे परिचालित किए जा रहे हैं। देश भर के प्रमुख स्टेशनों पर होल्डिंग एरिया, अतिरिक्त टिकट काउंटर, पेयजल सुविधाएं और अन्य सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं, जबकि 12 लाख से अधिक रेलवे कर्मचारी इस अवधि के दौरान यात्रियों के लिए सुचारू और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए चौबीसों घंटे कार्य कर रहे हैं।

उन्होंने आगे बताया कि दिवाली और छठ पूजा के त्योहारों पर आने वाली भीड़ को देखते हुए पश्चिम रेलवे लगभग 80 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के 2,400 से ज्यादा फेरे चला रही है, जिनमें से ज्यादातर उत्तर भारत की ओर जाती हैं। इनमें से 1,586 फेरे गुजरात से, 738 महाराष्ट्र से और 90 मध्य प्रदेश से हैं। इनमें अनारक्षित स्पेशल ट्रेनों के लगभग 50 फेरे भी शामिल हैं।

श्री गुप्ता ने कहा कि टिकटिंग में आसानी के लिए मोबाइल यूटीएस सुविधा शुरू की गई है, जिसके माध्यम से बुकिंग कर्मचारी टिकट जारी करने के लिए सीधे यात्रियों से संपर्क करते हैं। यात्रियों की अतिरिक्त संख्या को प्रबंधित करने के लिए रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के अतिरिक्त कर्मियों को स्टेशनों पर तैनात किया गया है, ताकि यात्रियों का मार्गदर्शन किया जा सके और कतारों में सुरक्षित, व्यवस्थित आवाजाही सुनिश्चित की जा सके। नियमित और विशेष सेवाओं सहित ट्रेनों में सुरक्षा बढ़ाने के लिए आरपीएफ कर्मियों द्वारा सुरक्षा की जा रही है।

श्री गुप्ता ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए सीसीटीवी सिस्टम पर चौबीसों घंटे निगरानी रखी जा रही है। सभी संवेदनशील स्टेशनों पर भीड़ प्रबंधन के लिए वॉर रूम स्थापित किए गए हैं, जहाँ पश्चिम रेलवे के अधिकारी और कर्मचारी चौबीसों घंटे मौजूद रहते हैं। उन्होंने आगे बताया कि यात्रियों की सुविधा के लिए सभी प्रमुख स्टेशनों पर निःशुल्क पेयजल और पर्याप्त शौचालय की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

बांद्रा टर्मिनस पर त्योहारों के दौरान अत्यधिक भीड़ को संभालने के लिए विशेष उपाय लागू किए गए हैं। 15 से 21 अक्टूबर 2025 की अवधि के दौरान लगभग 70,000 यात्री बांद्रा टर्मिनस से अपने गंतव्य तक यात्रा कर पाए। इस अवधि के दौरान यात्रियों की मांग को पूरा करने के लिए उधना/सूरत से 466, बांद्रा टर्मिनस से 468, मुंबई सेंट्रल से 254 और वलसाड से 72 फेरे चलाए गए।

श्री गुप्ता ने आगे बताया कि भीड़ के सुचारू आवाजाही और यात्री सुविधा सुनिश्चित करने के लिए बांद्रा टर्मिनस पर 450 यात्रियों की क्षमता वाला 350 वर्ग मीटर का एक अस्थायी होल्डिंग एरिया एवं 1,000 यात्रियों की क्षमता वाला 702 वर्ग मीटर का एक स्थायी होल्डिंग एरिया बनाया गया है। दोनों होल्डिंग एरिया में पर्याप्त रोशनी, पंखे और एक सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली है, ताकि यात्रियों को ट्रेनों की आवाजाही की जानकारी मिलती रहे। बांद्रा टर्मिनस पर यात्रियों की सहायता के लिए प्रतिदिन दो पालियों में कुल 70 लाइसेंस प्राप्त सहायक तैनात रहते हैं। सभी प्रवेश और निकास द्वारों पर चौबीसों घंटे पर्याप्त संख्या में टिकट चेकिंग स्टाफ भी तैनात रहते हैं एवं यात्रियों की अत्यधिक संख्या को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त टिकट काउंटर भी खोले गए हैं।

भीड़ नियंत्रित करने के लिए मुंबई सेंट्रल मंडल के बांद्रा टर्मिनस, वापी और सूरत स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री अस्थायी रूप से प्रतिबंधित कर दी गई है। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुरक्षा और आवागमन को सुगम बनाने के लिए प्लेटफॉर्म पर पार्सल का ढेर न लगाने के सख्त निर्देश भी जारी किए गए हैं।

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने बताया कि त्योहारों के दौरान होने वाली भारी भीड़ को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए सभी मंडलों में निरंतर निगरानी और समन्वित प्रयास सुनिश्चित किए जा रहे हैं। उन्होंने यात्रियों से अपनी यात्रा की योजना पहले से बनाने, मोबाइल टिकटिंग सुविधाओं का उपयोग करने और सुरक्षित एवं परेशानी मुक्त यात्रा के लिए रेलवे कर्मचारियों के साथ सहयोग करने का आग्रह किया।

भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) के संचार एवं प्रसार पर शिक्षकों के लिए क्षमता निर्माण राष्ट्रीय कार्यशाला

(जीएनएस)।

सीएसआईआर-राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं नीति अनुसंधान संस्थान (एनआईएससीपीआर) ने राष्ट्रीय पहल स्वस्तिक (वैज्ञानिक रूप से मान्य सामाजिक पारंपरिक ज्ञान) के अंतर्गत "भारतीय ज्ञान प्रणालियों के संचार और प्रसार" पर शिक्षकों के लिए एक क्षमता निर्माण राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का उद्देश्य वैज्ञानिक रूप से मान्य पारंपरिक ज्ञान को समाज तक पहुंचाना है। कार्यशाला का आयोजन भारतीय राष्ट्रीय युवा विज्ञान अकादमी (आईएनवाईएएस) के साथ मिलकर किया गया। कार्यशाला का आयोजन अपने प्रमुख कार्यक्रम रुसेटअप (ग्रामीण विज्ञान शिक्षा प्रशिक्षण उपयोगिता कार्यक्रम) के अंतर्गत किया गया। कार्यशाला में 75 विभिन्न संस्थानों के 100 से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया और सक्रिय रूप से भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरूआत एमडीयू के डॉ. सुरेंद्र यादव के स्वागत भाषण से हुई, जिसके बाद सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर की निदेशक डॉ. गीता वाणी रायसम ने ऑनलाइन परिचयात्मक भाषण दिया। उन्होंने स्वस्तिक का परिचय दिया और आईकेएस को क्षेत्रीय संस्थानों और शिक्षकों तक पहुंचाने में सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर, आईएनवाईएएस और एमडीयू के सहयोगात्मक प्रयासों की सराहना की।

मुख्य अतिथि और हिमालयन पर्यावरण अध्ययन एवं संरक्षण संगठन (हेस्को), देहरादून के संस्थापक पद्म भूषण डॉ. अनिल पी. जोशी ने एक प्रेरक मुख्य भाषण दिया। अर्थव्यवस्था, पारिस्थितिकी और पर्यावरण के बीच जटिल संबंधों पर अपनी चर्चा में, डॉ. जोशी, जिन्हें "भारत के पर्वत पुरुष" के रूप में जाना जाता है, ने इस बात पर जोर दिया कि पारंपरिक भारतीय ज्ञान हमेशा स्थिरता और आत्मनिर्भरता पर आधारित रहा है। उन्होंने शिक्षकों को भारत के स्वदेशी पारंपरिक ज्ञान के संदर्भ में वैज्ञानिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया।

एमडीयू के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने आईकेएस पर अंतःविषय पहल को बढ़ावा देने में सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर,

आईएनवाईएएस और एमडीयू के संयुक्त प्रयासों की सराहना की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ज्ञान का सच्चा प्रसार शिक्षकों से शुरू होता है, जो समाज में प्रमुख संचारक और परिवर्तनकर्ता के रूप में कार्य करते हैं।

धन्यवाद ज्ञापन स्वस्तिक समन्वयक डॉ. चारु लता ने दिया और कार्यशाला की सफलता में उनके बहुमूल्य योगदान के लिए सभी गणमान्य व्यक्तियों, आयोजकों और प्रतिभागियों का हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने ज्ञान के आदान-प्रदान के लिए एक सार्थक मंच प्रदान करने में सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर, आईएनवाईएएस और एमडीयू के सामूहिक प्रयासों की सराहना की।

"भारत की विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विरासतः संरक्षण से स्थायित्व तक" विषय पर आयोजित कार्यशाला के पहले तकनीकी सत्र में भारत की समृद्ध एवं विविध वैज्ञानिक विरासत और वर्तमान युग में इसकी निरंतरता पर ध्यान केंद्रित किया गया।

प्रख्यात कार्बनिक रसायनज्ञ, सीएसआईआर की उत्कृष्ट वैज्ञानिक और सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर की पूर्व निदेशक प्रो. रंजना अग्रवाल ने इस बात पर जोर दिया कि प्राकृतिक, सामाजिक और आध्यात्मिक विज्ञानों को एकीकृत करने वाला एक समग्र दृष्टिकोण भारत की वैज्ञानिक विरासत का आधार है। उन्होंने स्पष्ट संचार, वैज्ञानिक सत्यापन और शैक्षिक समावेशन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि डिजिटल युग में अक्सर गलत जानकारी पारंपरिक ज्ञान को गलत तरीके से प्रस्तुत करती है। उन्होंने सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर की स्वस्तिक परियोजना, आयुष मंत्रालय, एआईसीटीई के आईकेएस प्रभाग और एनईपी 2020 जैसे कई भाषाओं में पारंपरिक प्रथाओं का दस्तावेजीकरण और सत्यापन करने वाले कार्यक्रमों का उल्लेख किया।

जेएनयू के पर्यावरण विज्ञान संकाय के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अश्विनी तिवारी ने भारत में बढ़ते जल संकट से निपटने में पारंपरिक वर्षा जल संचयन प्रणालियों के महत्व पर एक आकर्षक व्याख्यान दिया। स्थानीय जल संरक्षण प्रयासों को प्रोत्साहित करने के लिए, उन्होंने शिक्षकों को पर्यावरण शिक्षा में पारंपरिक जल ज्ञान को शामिल करने की सलाह दी।

सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर की प्रधान वैज्ञानिक डॉ. चारु लता ने भारत के पारंपरिक खाद्य ज्ञान पर एक गहन व्याख्यान दिया। उन्होंने स्वस्तिक के अंतर्गत पारंपरिक प्रथाओं की पहचान और सत्यापन से लेकर उन्हें डिजिटल और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से जनता तक पहुँचाने तक अपनाई गई व्यवस्थित प्रक्रिया की भी रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने प्रतिभागियों को अपने क्षेत्रों के पारंपरिक ज्ञान के स्थानीय उदाहरण प्रस्तुत करके "स्वस्तिक के ब्रांड एंबेसडर" के रूप में कार्य करने के लिए आमंत्रित किया और कहा कि जो शिक्षक और शोधकर्ता पारंपरिक ज्ञान को सत्यापित वैज्ञानिक आंकड़ों से जोड़ सकते हैं, वे ही विज्ञान का प्रभावी ढंग से संचार करने वाले पहले व्यक्ति हैं।

दूसरे सत्र की शुरूआत सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर के वरिष्ठ वैज्ञानिक और स्वस्तिक टीम के डॉ. परमानंद बर्मन द्वारा पारंपरिक ज्ञान संचार पर एक इंटरैक्टिव व्यावहारिक प्रशिक्षण के साथ हुई। उन्होंने विज्ञान संचार के मूल सिद्धांतों की व्याख्या करते हुए शुरूआत की और लोकप्रिय विज्ञान लेखन, इन्फोग्राफिक्स, पॉडकास्ट और सोशल मीडिया आउटरीच सहित इसके विभिन्न रूपों पर चर्चा की, जो वैज्ञानिक अवधारणाओं को व्यापक दर्शकों तक पहुँचाने में मदद करते हैं। सत्र के दौरान, प्रतिभागियों को संचार सामग्री डिजाइन करने और पारंपरिक प्रथाओं पर आकर्षक इन्फोग्राफिक्स, पोस्टर और लघु वीडियो बनाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

सत्र के अंत में, डॉ. राज मुखोपाध्याय, वैज्ञानिक, भाकृअनुप-केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल ने स्वदेशी मृदा प्रबंधन पद्धतियों और मृदा उर्वरता, सूक्ष्मजीवी गतिविधि और पोषक चक्रण को बढ़ाने में उनकी भूमिका पर एक जानकारीपूर्ण व्याख्यान दिया।

कार्यशाला का समापन एक संवादात्मक प्रतिक्रिया और धन्यवाद प्रस्ताव सत्र के साथ हुआ, जहाँ स्कूलों और कॉलेजों के प्रतिभागियों ने इस समृद्ध अनुभव के लिए आभार व्यक्त किया। समापन भाषण में, सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संध्या लक्ष्मणन ने सभी गणमान्य व्यक्तियों, वक्ताओं और प्रतिभागियों को उनकी सक्रिय भागीदारी के लिए धन्यवाद दिया।

तेजस्वी यादव की बढ़ी टेंशन! महागठबंधन में 'फूट' पड़ते ही जेएमएम ने आरजेडी पर लगा दिया ये 'गंभीर आरोप'

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव की सरगर्मी अब झारखंड की राजनीति तक पहुंच गई है, जहां सत्ताधारी गठबंधन में दरार पड़ती दिख रही है झारखंड मुक्ति मोर्चा (JMM) ने कांग्रेस और फ्खऊ पर 'राजनीतिक धूर्तता' और 'धोखाधड़ी' का गंभीर आरोप लगाया है। JMM का कहना है कि बिहार में उन्हें कम से कम छह सीटें लड़ने का उचित अवसर नहीं मिला, जिसके लिए कांग्रेस और फ्खऊ की 'राजनीति' जिम्मेदार है।

इस घटना से खटट गठबंधन के भीतर खुद को असहज महसूस कर रही है और संकेत मिल रहे हैं कि झारखंड में सरकार में शामिल कांग्रेस और फ्खऊ कोटे के मंत्रियों के कामकाज की समीक्षा की जा सकती है। यह आरोप-प्रत्यारोप का दौर बिहार के साथ-साथ झारखंड की राजनीति में भी बड़े बदलाव के संकेत दे रहा है।

JMM का 'धोखे' का आरोप और सीटों की अनदेखी

झारखंड मुक्ति मोर्चा (JMM) ने स्पष्ट रूप से कहा है कि बिहार विधानसभा चुनाव में उन्हें कांग्रेस और राजद द्वारा धोखा दिया गया है। पार्टी का आरोप है कि उन्हें बिहार में कम से कम छह सीटों पर चुनाव लड़ने की उम्मीद थी, खासकर उन 28 आदिवासी-बहुल सीटों पर जहां उनके वोटर निर्णायक भूमिका निभा सकते थे। खटट नेताओं का कहना है कि 2020 की तरह इस बार भी उनके साथ अन्याय हुआ है। झारखंड के

मंत्री शुदिव्य सोनू और JMM महासचिव विनोद पांडे ने पटना में तेजस्वी यादव से मिलकर इस मुद्दे पर चर्चा की, लेकिन उनका दावा है कि न कांग्रेस ने उनकी वकालत की और न राजद ने उन्हें समर्थन दिया। JMM इसे अपने साथ 'अन्याय' और 'विश्वासघात' मान रही है।

कांग्रेस और फ्खऊ पर चुप्पी साधने का आरोप

JMM ने कांग्रेस और RJD दोनों पर 'धोखे' में बराबर का भागीदार होने का आरोप लगाया है। शुदिव्य सोनू ने कहा कि जब खटट ने झारखंड में फ्खऊको सम्मान देते हुए सात सीटें दी थीं और एक मंत्री पद भी दिया था, तो बिहार में खटट के साथ हुए अन्याय पर दोनों सहयोगी दल चुप क्यों रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और फ्खऊ ने JMM के साथ हुए इस 'अन्याय' को देखकर भी चुप्पी साधे रखी। JMM का यह रुख झारखंड में गठबंधन के भविष्य पर सवाल खड़े कर रहा है, क्योंकि पार्टी अब गठबंधन के भीतर असहज महसूस कर रही है और भविष्य में कांग्रेस व फ्खऊ के मंत्रियों के कामकाज की समीक्षा की तैयारी में है।

कांग्रेस-RJD की सफाई और BJP का पलटवार

JMM के आरोपों के बाद कांग्रेस और RJD दोनों ने अपनी सफाई दी है। कांग्रेस मीडिया सेल के चेयरमैन सतीश पॉल मुंजिनी ने कहा कि बिहार में कांग्रेस की भूमिका निर्णायक नहीं थी और पार्टी को खुद 70 के बजाय 60 सीटें ही मिली थीं, बाकी छोटे दलों के लिए छोड़ी गईं। वहीं, RJD प्रवक्ता कैलाश यादव ने JMM मंत्री के बयान को 'आपत्तिजनक' और 'पीड़ादायक' बताया, साथ ही कहा कि राजनीति में 'एहसान' शब्द अनुचित है। उन्होंने हेमंत सोरेन को सम्मानित नेता बताया। दूसरी ओर, BJP प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने इस सियासी खींचतान पर निशाना साधते हुए कहा कि JMM ने अपनी 'झारखंडी अस्मिता' को बिहार में गिरवी रख दिया, जिसकी इतनी बेइज्जती हुई है कि शर्म आ जाए।

झारखंड में गठबंधन के भविष्य पर सवाल

बिहार चुनाव में सीट बंटवारे को लेकर खटट और उसके गठबंधन सहयोगियों कांग्रेस-RJD के बीच उपजा यह विवाद झारखंड की राजनीति में बड़े बदलावों का संकेत दे रहा है। चर्चा है कि JMM, कांग्रेस और फ्खऊ से नाखुश है, और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की बीजेपी से बढ़ती नजदीकियां नए सियासी समीकरणों की ओर इशारा कर रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा हाल के वर्षों में हेमंत परिवार के प्रति दिखाई गई व्यक्तिगत संवेदना और सहानुभूति ने भी इन राजनीतिक अटकलों को और तेज कर दिया है। बिहार चुनाव के बाद झारखंड में गठबंधन का भविष्य अधर में लटकता दिख रहा है।

सीएसआईआर-राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं नीति अनुसंधान संस्थान ने स्वास्थ्य के लिए समग्र दृष्टिकोण के रूप में आयुर्वेद को बढ़ावा देते हुए 10वां आयुर्वेद दिवस मनाया

प्रविष्टि तिथिः 21 डउळ 2025 11:46अट ु८ ढक्ह उ्रं

सीएसआईआर-राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं नीति अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-एनआईएस-सीपीआर) ने 17 अक्टूबर 2025 को 10वां आयुर्वेद दिवस मनाया। आयुर्वेद को स्वास्थ्य और कल्याण के समग्र दृष्टिकोण के रूप में बढ़ावा देने की दिशा में यह ऐसा महत्वपूर्ण कदम है जो स्थायित्व और प्राकृतिक जीवन शैली पर आधारित है। इस अवसर पर लोगों में वैज्ञानिक रूप से मान्य पारंपरिक ज्ञान का संचार करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय पहल #SVASTIK (वैज्ञानिक रूप से मान्य सामाजिक पारंपरिक ज्ञान) के अंतर्गत एक एनआईएससीपीआर स्वस्तिक व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर कर्मचारियों के लिए एक निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर भी आयोजित किया गया।

नई दिल्ली स्थित सीसीआरएएस-केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान (सीएआरआई) के डॉ. किशोर पटेल ने आयुर्वेद के मूलभूत सिद्धांतों पर गहन एनआईएससीपीआर स्वस्तिक व्याख्यान दिया। उन्होंने जीवनशैली और तनाव से जुड़ी बीमारियों के कारणों पर चर्चा की और समग्र स्वास्थ्य के लिए आचार रसायन और सद्वृत्त की अवधारणाओं के माध्यम से संतुलित पोषण, संयमित आहार और

नैतिक जीवन जीने के महत्व पर बल दिया।

सीएसआईआर-एनआईएस-सीपीआर के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. नरेश कुमार ने उल्लेखनीय रूप से विश्व में आयुर्वेद के विस्तार के बारे में बताया कि एक दशक से भी कम समय में आयुर्वेद दिवस एक राष्ट्रीय उत्सव से एक वैश्विक स्वास्थ्य आंदोलन में बदल गया है। उन्होंने आयुर्वेदिक चिकित्सकों और शोधकर्ताओं द्वारा गलत सूचनाओं का विरोध करने और मिलावट रोकने, मानकीकृत योगों, साक्ष्य-आधारित एकीकरण, तर्कसंगत विपणन और जन जागरूकता की वकालत करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ पारंपरिक ज्ञान को जनता के बीच प्रसारित करने वाली #रश्अरळक्ङ पहल की भी सराहना की।

सीएसआईआर-एनआईएस-सीपीआर के प्रशासन नियंत्रक, श्री राजेश कुमार सिंह रोशन ने आयुर्वेद की ऐतिहासिक जड़ों और आचार्य नागार्जुन जैसे प्राचीन चिकित्सकों के योगदान पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने स्वास्थ्य सेवा की व्यापक प्रणाली के रूप में आयुर्वेद की बढ़ती वैश्विक मान्यता के बारे में भी बताया।

सीएसआईआर-एनआईएस-सीपीआर की वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. सुमन रे ने इस वर्ष के विषय, "लोगों और पृथ्वी के लिए आयुर्वेद" की सराहना की। यह वैश्विक स्वास्थ्य और पर्यावरणीय सद्भाव के लिए आयुर्वेद की क्षमता का लाभ उठाने की साझा प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

सीएसआईआर-एनआईएस-सीपीआर में 10 वें आयुर्वेद दिवस समारोह के लिए नोडल अधिकारी और प्रधान वैज्ञानिक एवं समन्वयक स्वस्तिक डॉ. चारु लता ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया तथा समारोह को सफल बनाने के लिए सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर के निदेशक और सभी प्रतिष्ठित वक्ताओं और प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य मूल्यांकन शिविर में एनआईएससीपीआर के कर्मचारियों और छात्रों ने ओपीडी परामर्श का लाभ उठाया। इस तरह की पहल का उद्देश्य पारंपरिक स्वास्थ्य देखभाल के बारे में जानकारी बढ़ाना, सामुदायिक स्वास्थ्य जागरूकता में सुधार करना और आयुर्वेदिक क्षेत्र में वैज्ञानिक नवाचार को बढ़ावा देना है।

उपेंद्र कुशवाहा ने महागठबंधन पर साधा निशाना, कहा-' सत्ता इनके हाथ से फिसल चुकी'

(जीएनएस)।

बिहार में विधानसभा चुनावों से पहले राजनीति बयानबाजी तेज हो गयी है। राष्ट्रीय लोक मोर्चा (RLM) के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने सोमवार को पटना स्थित अपने पार्टी ऑफिस से प्रेस वार्ता में महागठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि महागठबंधन के "हाथ से सत्ता फिसल चुकी है" और वे केवल झूठे वादों से जनता को लालच देकर चुनावी एजेंडा तैयार कर रहें हैं। हमारे कार्यकर्ता और जनता को पता हैं कि कौन विकास के लिए काम कर रहा है और कौन केवल सत्ता के लिए राजनीतिक लड़ाई लड़ रहा है।

उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (N D A) का उद्देश्य सत्ता हासिल करना नहीं है, बल्कि बिहार की जनता को रोजगार देकर राज्य को विकसित करना है। उपेंद्र कुशवाहा ने कहा की हमारा चुनावी एजेंडा बिहार को भ्रष्टाचार मुक्त, विकासशील और समृद्ध बनाना। जबकि महागठबंधन में इन सब बातों का कही चर्चा नहीं है, अगर इनकी सरकार बनती है तो बिहार जंगलराज की आग में फिर से पूरी तरह लपेटे में घिर जायेगा।

(SIR) मुद्दे पर कुशवाहा ने महागठबंधन को घेरा

उपेंद्र कुशवाहा ने कहा की विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) की प्रक्रिया जब बिहार में हो रही थी तो महागठबंधन द्वारा कई बार चुनाव आयोग और प्रधानमंत्री को घेरने की कोशिश किया गया ` उन्होंने कहा,"महागठबंधन ने SIR को लेकर सड़क से सदन तक हंगामा मचाया, इसके बाद कई बार हड़ताल भी किये लेकिन जनता ने ध्यान नहीं दिया क्यूंकि जनता को पता था की महा गठबंधन

केवल लोगों को गुमराह करने की साजिश रच रही है।

महागठबंधन में आंतरिक कलह लगातार बढ़ रहे

कुशवाहा ने कहा कि महागठबंधन में आंतरिक कलह लगातार बढ़ रहे हैं। लालू यादव और राहुल गाँधी के बिच अभी भी सीट को लेकर आंतरिक कलह जारी है। पिछड़ा और दलित वर्गों के अधिकारों पर निशानाः कुशवाहा ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव पर भी जवाबी हमला करते हुए कहा कि जब लालू यादव मुख्यमंत्री थे तब उनके कार्यकाल में दलितों और पिछड़ों को राजनीतिक तौर पर भागीदारी नहीं मिली।"

समाज में दलितों और पिछड़ों का विकास हुआ

उनके शासन में पिछड़ा और दलितों को सत्ता के तौर पर सिर्फ वोट बैंक समझा गया, लेकिन आज सभी लोगों में शिक्षा और रोजगार को लेकर लोग जागरूक हो गए हैं।" जब लालू यादव 15 सालों तक बिहार के सत्ता में काबिज रहे , तब दलित को वार्ड सदस्य तक नहीं बनने दिया जाता था , यहां तक दलित परिवारों की महिला या पुरुषों को वार्ड सदस्य बनने की अनुमति नहीं था` उन्होंने इसका श्रेय नीतीश कुमार और ठऊअ सरकार को दिया और कहा की इनके आते हे समाज में दलितों और पिछड़ों का विकास हुआ है।

NDA को बहुमत मिलने का दावा

उपेंद्र कुशवाहा ने ANI के प्रेस वार्ता में कहा कि; महाभारत में विजय कौन होगा? वैसे ही बिहार चुनाव में भी है ;आगामी विधानसभा चुनाव में एनडीए बिहार में पूर्ण बहुमत से सरकार बनाएगी कुशवाहा ने कहा महागठबंधन बिखरा हुआ है, उनके पास कोई स्पष्ट नीति नहीं है। जबकि ठऊअ एकजुट होकर जनहित की नीतियों पर काम कर रहा है।

प्रशांत किशोर पर भी तल्ख टिपण्णी

कुशवाहा ने प्रशांत किशोर की पार्टी जनसुराज को लेकर बयान दिया है कि 'जनसुराज पूरे बिहार में एक भी सीट नहीं जीत पायेगी; क्यों की मुझे कहीं भी जनसुराज की चुनावी लहर नहीं दिखाई दे रही, बिहार की लड़ाई सिर्फ NDA और महागठबंधन के बीच लड़ी जाएगी` 18 अक्टूबर को पीके ने कहा था कि साथ ही उनका दावा था कि महागठबंधन तीसरे स्थान पर होगा ,वहीं जनसुराज NDA के लिए चुनौती पैदा करेगी।'

143 सीटों की फाइनल लिस्ट जारी

राजद सुप्रीमो ने सोमवार को 143 सीटों की फाइनल लिस्ट जारी कर दिया , जबकि शेष 100 सीटों पर सहयोगी पार्टी के उम्मीदवार चुनाव लड़ेंगे।बिहार विधानसभा चुनाव 2025 मुख्य रूप से गठबंधन और महागठबंधन के बीच कांटो के टक्कर की लड़ाई है मतदान 6 और 11 नवंबर को दो चरणों में संपन्न होगा , और रिजल्ट 14 नवंबर को घोषित किये जायेंगे।

बेंगलुरु की सड़कें होंगी गड्ढामुक्त? सीएम सिद्धारमैया ने दिया एक हफ्ते का अल्टीमेटम, क्या है पूरा प्लान?

(जीएनएस)।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने राज्य की राजधानी बेंगलुरु की सड़कों पर पड़े गड्ढों को लेकर अधिकारियों को कड़ा निर्देश दिया है। मंगलवार, 21 अक्टूबर को उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि शहर की सभी सड़कों के गड्ढे एक हफ्ते के भीतर भर दिए जाएं।

मुख्यमंत्री ने यह आदेश उस समय दिया जब राज्य में सड़कों की खराब स्थिति को लेकर लगातार बहस चल रही है।सीएम सिद्धारमैया ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि ग्रेटर बेंगलुरु प्राधिकरण (ऋइअ) और शहरी विकास विभाग के शीर्ष अधिकारी इस काम की निगरानी करें।

उन्होंने कहा, मैंने ग्रेटर बेंगलुरु अथॉरिटी के चीफ कमिश्नर महेश्वर राव और शहरी विकास विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव तुषार गिरीनाथ से बात की है। एक हफ्ते के भीतर सभी गड्ढे भर दिए जाने चाहिए। उन्होंने यह भी माना कि इस साल लगातार बारिश के कारण सड़क मरम्मत कार्य में देरी हुई है। सीएम ने कहा, बारिश के कारण कई जगह काम रुका हुआ था, लेकिन अब हमें तेजी दिखानी होगी।

क्या है सफेद टॉपिंग से जिससे बदलेगा शहर?

सिद्धारमैया ने सड़क विकास परियोजनाओं की शुरूआत करते हुए कहा कि शहर के कई हिस्सों में व्हाइट

टॉपिंग रोड का काम चल रहा है। उन्होंने बताया कि इस तकनीक से बनी सड़कें 25-30 साल तक खराब नहीं होतीं, जिससे गड्ढों की समस्या खत्म हो जाएगी। उन्होंने कहा, हम गड्ढे भी भरेंगे और व्हाइट टॉपिंग का काम भी करेंगे ताकि आने वाले वर्षों में सड़कें टिकाऊ बनें।

मुख्यमंत्री ने बताया कि सभी विधायकों के क्षेत्रों के विकास के लिए 8,000 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है। उन्होंने कहा कि यह धनराशि केवल सत्तारूढ़ दल के नहीं, बल्कि विपक्षी विधायकों के क्षेत्रों में भी खर्च की जाएगी ताकि संतुलित विकास हो सके।

डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने दी अपडेट

उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, जो बेंगलुरु विकास विभाग का भी प्रभार संभाल रहे हैं, ने बताया कि सरकार ने सड़कों की मरम्मत की निगरानी के लिए जनता-हितैषी रिपोर्टिंग सिस्टम शुरू किया है। उन्होंने कहा, क्या किसी और सरकार ने ऐसा सिस्टम बनाया है, जहां जनता गड्ढों या कचरे की तस्वीरें भेजकर तुरंत कार्रवाई की मांग कर सके? यह मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के नेतृत्व में ही संभव हुआ है। शिवकुमार ने दावा किया कि अब तक 10,000 से अधिक गड्ढे भरे जा चुके हैं, जबकि पिछली भाजपा सरकार के समय 20,000 गड्ढों की शिकायतें लंबित थीं।

बीजेपी पर डिप्टी सीएम का पलटवार

डिप्टी सीएम ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा नेताओं ने सरकार की हर विकास योजना का मजाक उड़ाया, चाहे वह 113 किलोमीटर के कॉरिडोर प्रोजेक्ट की बात हो या सिटी टनल परियोजना की। उन्होंने बिना नाम लिए एक भाजपा सांसद को "खाली बर्तन जो सिर्फ शोर मचाता है और ट्वीट करता है।

शिवकुमार ने चुनौती दी, बेंगलुरु से पांच बीजेपी सांसद हैं - क्या इनमें से किसी ने केंद्र से शहर के लिए एक रुपया भी लाया है? वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण खुद मंत्री हैं, क्या उन्होंने बेंगलुरु के लिए 10 रुपये भी दिलवाए? अगर उन्होंने दिलवाए हैं, तो मैं कोई भी सजा स्वीकार करूंगा। कर्नाटक सरकार ने बेंगलुरु को 'गड्ढामुक्त शहर' बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। अब देखना यह होगा कि क्या वाकई बेंगलुरु की सड़कें एक हफ्ते में गड्ढों से मुक्त हो पाएंगी या यह भी सिर्फ एक राजनीतिक वादा बनकर रह जाएगा।

कांग्रेस ने जारी की 40 स्टार प्रचारकों की सूची, राहुल-प्रियंका के अलावा लिस्ट में ये दिग्गज भी

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर सिर्फ सूबे की नहीं, बल्कि पूरे देश का सियासी पारा चढ़ा हुआ है। नामांकन प्रक्रिया पूरी होते ही सभी दलों ने अपने-अपने स्टार प्रचारकों की फौज मैदान में उतारनी शुरू कर दी है। इसी कड़ी में कांग्रेस पार्टी ने अपने 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी की है। इस सूची में पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से लेकर कई राज्यों के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और वरिष्ठ नेता शामिल हैं। बिहार में दो चरण में वोटिंग होगी और मतगणना 14 नवंबर को की जाएगी।

कांग्रेस के लिए पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी, लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा को प्रमुख स्टार प्रचारक बनाया गया है। इनके अलावा राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और कांग्रेस नेता सचिन पायलट को भी लिस्ट में जगह दी गई है। ये सभी नेता बिहार में रोड शो, जनसभाएं और रैलियां कर कांग्रेस उम्मीदवारों के पक्ष में माहौल बनाएंगे।

ईं१ उँ४ल्लं५ ूङ्मल्लॅ१ी२२ २३१ ूेंस्रॅल्ली१२

बिहार चुनाव के लिए कांग्रेस के स्टार प्रचारक दिखाएंगे दम

- कांग्रेस के स्टार प्रचारकों की लिस्ट स्पष्ट करती है कि पार्टी राज्य में महिला वोटरों और युवा वर्ग पर खास फोकस कर रही है। सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी का लिस्ट में होना इसकी गवाही देती है।
- राहुल गांधी और कन्हैया कुमार युवाओं को आकर्षित करने की भूमिका निभाएंगे। इसके अलावा, युवाओं में लोकप्रिय सचिन पायलट को भी जगह दी गई है।
- कांग्रेस के बिहार मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़ ने बताया कि पहले चरण के चुनाव के लिए स्टार प्रचारकों की लिस्ट को आधिकारिक रूप से जारी किया गया है। इसमें पार्टी के राष्ट्रीय नेताओं के साथ-साथ प्रदेश स्तरीय दिग्गजों को भी शामिल किया गया है।

विश्वस्त चेहरों का दिखा दबदबा

40 प्रचारकों की सूची में राहुल गांधी के करीबियों को प्रमुखता दी गई है। कांग्रेस के दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह, भूपेश बघेल, रणदीप सुरजेवाला, चरणजीत सिंह चन्नी, तारिक अनवर, अधीर रंजन चौधरी, अलका लंबा, इमरान प्रतापगढ़ी, कन्हैया कुमार, अजय राय, जिग्नेश मेवाणी और पप्पू यादव जैसे नाम इसमें शामिल हैं। ये सभी नेता विभिन्न क्षेत्रों में कांग्रेस उम्मीदवारों के लिए प्रचार अभियान चलाएंगे। सूत्रों के मुताबिक अगले दो हफ्ते में राहुल गांधी की 8 से 10 सभाएं हो सकती हैं।

बिहार में इस बार दो चरणों में मतदान होगा। पहला चरण 6 नवंबर को और दूसरा चरण 11 नवंबर को होगा। वोटों की गिनती 14 नवंबर को की जाएगी। कांग्रेस के अलावा एनडीए और महागठबंधन के अन्य दल भी अपने-अपने प्रचार अभियानों की रणनीति बना रहे हैं। हालांकि, महागठबंधन के भीतर सीट शेयरिंग को लेकर अभी भी मतभेद बने हुए हैं, जिससे विपक्षी एकता पर सवाल उठ रहे हैं।

'दिवाली को दोष देने वाले औरंगजेब के प्रशंसक', सिरसा ने क्यों कहा ऐसा?

(जीएनएस)।

राजधानी दिल्ली में दिवाली के बाद वायु प्रदूषण को लेकर फिर से राजनीतिक विवाद गरमा गया है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनीष सिंह सिरसा ने कहा कि दिवाली के बाद प्रदूषण में कोई वृद्धि नहीं हुई है। उन्होंने आम आदमी पार्टी पर यह मुद्दा जानबूझकर बढ़ाने का आरोप लगाया। सिरसा ने कहा कि पटाखों से प्रदूषण नहीं हुआ है, दिल्ली में सभी ने ग्रीन पटाखे फोड़े हैं।

दिवाली भाजपा का नहीं, सनातन धर्म का पर्व है

पर्यावरण मंत्री ने अपने बयान में कहा कि दिवाली भाजपा का नहीं बल्कि सनातन हिंदू धर्म का पर्व है। कुछ लोग इसे राजनीतिक रंग देने की कोशिश कर रहे हैं। सिरसा ने कहा कि प्रदूषण के नाम पर दिवाली जैसे धार्मिक पर्व को बदनाम करने की कोशिश हो रही है, जो पूरी तरह गलत है।

इस बार AQI में वृद्धि कम

पर्यावरण मंत्री ने अपने बयान में यह भी कहा कि इस साल दिवाली के बाद दिल्ली के वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) में वृद्धि पिछले सालों की तुलना में काफी कम है। आंकड़ा पेश करते हुए उन्होंने कहा कि 2020 में दिवाली के बाद ढट2.5 का स्तर 414 से बढ़कर 435 हो गया था, जबकि 2021 में यह वृद्धि 80 अंकों तक हुई थी।

'जो दिवाली को दोष दे रहे हैं, वे औरंगजेब के प्रशंसक'

सिरसा ने उन लोगों को औरंगजेब और अकबर के प्रशंसक करार दिया, जो दिवाली के दौरान प्रदूषण बढ़ने की बातें करते हैं। उनका कहना है कि यह कुछ लोगों को खुश करने और हिंदू परंपराओं को नीचा दिखाने के लिए कहा जा रहा है।

'दिल्ली पुलिस की नाकामी से हुआ अवैध पटाखों का इस्तेमाल'

AAP नेता सौरभ भारद्वाज ने पर्यावरण मंत्री के बयान का जवाब देते हुए कहा कि यह दिल्ली पुलिस की नाकामी है, जो अवैध पटाखों की बिक्री को नहीं रोक सकी। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन करते हुए केवल ग्रीन पटाखों की अनुमति दी थी। अअढ का दावा है कि सरकार प्रदूषण नियंत्रण को लेकर लगातार काम कर रही है, लेकिन केंद्र के अधीन आने वाली एजेंसियां इस दिशा में लापरवाह हैं।

इस्पात मंत्रालय में लंबित मामलों के निपटान के लिए विशेष अभियान 5.0 की मध्यावधि प्रगति

इस्पात मंत्रालय और इसके केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (सीपीएसई) लंबित मामलों के निपटान के लिए विशेष अभियान (एससीडीपीएम) 5.0 सक्रिय रूप से 2 अक्टूबर से 31 अक्टूबर, 2025 तक चला रहे हैं।

यह अभियान संसद सदस्यों (सांसदों), प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ), वीआईपी और मंत्रीमंडल, राज्य सरकारों, सीपीजीआरएएमएस मामलों और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों से प्राप्त संदर्भों सहित प्रमुख श्रेणियों में लंबित मामलों की प्रभावी ढंग से सुनवाई और निपटारा करके शासन को सुव्यवस्थित करने पर केंद्रित है।

अब तक की गई महत्वपूर्ण प्रगतिः

लोक शिकायत निवारण के 96 प्रतिशत लक्ष्य पहले ही प्राप्त कर लिए गए हैं।

कुल 8,525 भौतिक फाइलों को सफलतापूर्वक हटा दिया गया है।

282 स्वच्छता अभियान के लक्ष्य के सापेक्ष 195 स्वच्छता अभियान चलाए गए।

स्क्रैप, ई-कचरा और अनावश्यक फाइलों के निपटान के माध्यम से लगभग 9,851 वर्ग फुट कार्यालय स्थान खाली हो गया है।

मंत्रालय के अंतर्गत कई सीपीएसई ने रिकॉर्ड प्रबंधन और शिकायत समाधान में सर्वोत्तम तौर-तरीकों को लागू किया है , इससे अन्य विभागों के लिए मानक स्थापित हुए हैं।

इस्पात मंत्रालय प्रशासनिक सुधार और पारदर्शिता के व्यापक लक्ष्यों के अनुरूप कार्यकुशलता बढ़ाने, स्वच्छता को बढ़ावा देने तथा लंबित

मामलों का समय पर समाधान सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।